www.bharatsamvad.live
R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर
भारत संवाद
मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 30.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.755g
चांदी 107,000kg

2 विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?
पूर्व विधायक और पुलिस आमने-सामने, सपाइयों की नोकझोंक 04

वर्ष :09 | अंक :30 | मुंबई , सोमवार , 21 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

असम में पत्नी की हत्या का आरोपी रेलवे स्टेशन मास्टर गिरफ्तार

असम में पत्नी की हत्या के मामले में फरार आरोपी रेलवे स्टेशन मास्टर को गुवाहाटी से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य के कामरूप जिले में रंगिया के पास केंदुकोना रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर आरोपी राहुल सिंह की पत्नी का शव 15 दिन पहले उनके मकान से बरामद हुआ था, जिसके बाद शनिवार को सिंह गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया, वह गुवाहाटी की एक इमारत में भेष बदलकर निजी सुरक्षा कर्मी के तौर पर काम कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे रंगिया लाया गया। सिंह को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारी सिंह ने दो जुलाई को बच्चों के सामने पत्नी की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी थी और फरार हो गया था। उन्होंने कहा, मृतक की पहचान अंजलि सिंह के रूप में हुई है। दोनों बच्चों ने हमें बताया कि उनके पिता ने मां को चाकू मारा था।

उत्तर प्रदेश के महराजगंज में मादा तेंदुए का शव बरामद

महराजगंज जिले के सोहगी बरवा वन्यजीव अभयारण्य में एक मादा तेंदुआ मृत पाई गई है। एक वन अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) निरंजन सुर्वे ने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने मधवालिया परिक्षेत्र के बसौली जंगल के पास मृत तेंदुए को देखा और सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि तेंदुए की मौत कैसे हुई, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सुर्वे ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुसार मृत मादा तेंदुए का निपटान किया जाएगा।

सर्वदलीय बैठक - पहलगाम-सीजफायर पर मोदी जवाब दें :विपक्ष

विपक्ष ने पहलगाम, ट्रम्प और बिहार मुद्दे पर पीएम मोदी से संसद को संबोधित करने की मांग की

मानसून सत्र

▶▶केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में डेढ़ घंटे से ज्यादा चली मीटिंग में कई वरिष्ठ मंत्री, एनडीए और विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा और पास करने का काम किया जाएगा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को सभी दलों की बैठक हुई। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा- इस सत्र में हम पहलगाम हमले, सीमाओं पर संघर्ष, ट्रम्प का सीजफायर दावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे मुद्दों को उठाएंगे। प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख होते हैं, उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे संसद के जरिए इन मुद्दों पर देश को जानकारी दें। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- सदन चलाना सभी की जिम्मेदारी है। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही डोनाल्ड ट्रम्प के ऑपरेशन सिंदूर पर किए दावों पर भी उचित जवाब देगी। संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले शनिवार को गठबंधन की ऑनलाइन मीटिंग हुई। इसमें 24 दलों के नेता शामिल हुए। इस दौरान संसद में सरकार के खिलाफ एकजुट होकर मुद्दे उठाने की रणनीति बनाई गई। नेताओं ने तय किया कि संसद में वे एकजुट रहेंगे और सरकार से तीखे सवाल पूछेंगे। नेताओं ने एकमत होकर 8 प्रमुख मुद्दे तय किए हैं। इनमें पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, डोनाल्ड ट्रंप का सीजफायर करवाने का बयान, बिहार में रकफ, विदेश नीति (पाकिस्तान, चीन, गाजा), डिलिमिटेशन का सवाल और दलित, आदिवासी, पिछड़े, महिला व अल्पसंख्यक वर्गों पर हो रहे अत्याचार शामिल हैं। इसके अलावा विपक्ष अहमदाबाद प्लेन हादसे जैसे अन्य मामलों पर भी सरकार से जवाब मांगेगा। बैठक में नेताओं ने कहा कि वे चाहते हैं संसद सुचारू रूप से चले, लेकिन मोदी सरकार को इन विषयों पर जवाब देना ही होगा।

सरकार मानसून सत्र में 8 बिल पेश करेगी

केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 विधेयक (बिल) पेश करने जा रही है। इनमें देश की भू-विरासत और पुराने अवशेषों की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम बिल भी शामिल है। जो विधेयक लाए जाएंगे, उनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक प्रमुख हैं।

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग इकलौता मुद्दा, जिस पर पक्ष-विपक्ष दोनों सहमत

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए 100 से ज्यादा सांसदों ने दस्तखत किए हैं। जस्टिस वर्मा अपने घर पर जली हुई नकदी मिलने के बाद से मुश्किल में हैं। मानसून सत्र में इस मुद्दे पर सरकार विचार करेगी या नहीं, इस पर रिजिजू बोले कि यह प्रक्रिया सभी दल मिलकर करेंगे। यह अकेले सरकार का काम नहीं है।

रिजिजू बोले- संसद चलाना सबकी जिम्मेदारी

भाषण नहीं, नौकरी चाहते हैं युवा : राहुल गांधी

कांग्रेस ने बेरोजगारी को लेकर बिहार सरकार की आलोचना की

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि यह परिवर्तन की शुरूआत है और बिहार के युवा अब भाषण नहीं, बल्कि अपने भविष्य को आकार देने के लिए रोजगार चाहते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा

यह परिवर्तन की शुरूआत है और बिहार के युवा अब भाषण नहीं, बल्कि अपने भविष्य को आकार देने के लिए रोजगार चाहते हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बिहार में भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित महारोजगार मेले में उमड़े जन-सैलाब से ये साबित हो गया है कि भाजपा और उसके अवसरवादी सहयोगियों ने बिहार के युवा को बेरोजगारी के दलदल में धकेल दिया है।

एजेंसी

पटना में भारतीय युवा कांग्रेस के रोजगार मेले में उमड़ी भारी भीड़ का हवाला देते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को आरोप लगाया कि बीजेपी और उसके अवसरवादी सहयोगियों ने बिहार के युवाओं को बेरोजगारी के दलदल में धकेल दिया है। उन्होंने लिखा, देश के युवाओं के जीवन में बदलाव की शुरूआत बिहार से होगी। कांग्रेस का संकल्प अडिग है। हुनर को हक, हर युवा को रोजगार, रुके पलायन, साथ रहे हर परिवार। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, महारोजगार मेले में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि - बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोजगार से अपना भविष्य चाहता है। उन्होंने लिखा, बीजेपी और नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोजगारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोजी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है - अपना गांव, अपना परिवार सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ता है। राहुल गांधी ने लिखा, बिहार के युवा कर्मठ हैं, काबिल हैं, होनहार हैं - उनकी जरूरत बस स्थानीय और सम्माननीय रोजगार है। अब बदलाव की शुरूआत हो चुकी है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन सिर्फ. आश्वासन नहीं, समाधान लेकर आया है। कांग्रेस नेता ने कहा, हमारा फोकस साफ है - हुनर को हक, हर युवा को रोजगार, रुके पलायन, साथ रहे हर परिवार। इसी रास्ते बनेगा एक समृद्ध बिहार! युवा कांग्रेस ने कहा, जयपुर और दिल्ली के बाद, यह हमारा एक और प्रयास था ताकि योग्य युवाओं को रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार के अवसर मिल सकें। कांग्रेस नेताओं ने इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बेरोजगारी का मुद्दा उठाया है।

कांग्रेस-राजद-वाम गठबंधन सत्तारूढ़ जदयू-भाजपा गठबंधन को सत्ता से हटाने की उम्मीद कर रहा है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सरकार बोली-जल्दबाजी में नतीजे न निकालें

विदेशी मीडिया की खबरों में स्वार्थ छिपा; फाइनल जांच रिपोर्ट का इंतजार करें

बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 को कैप्टन सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे।

दरअसल, अमेरिकी मीडिया हाउस वॉल स्ट्रीट जनरल ने 17 जुलाई को पब्लिश एक रिपोर्ट में आशंका जताई कि विमान के पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल ने दोनों इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी।

एजेंसी

नई दिल्ली , अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया प्लेन हादसे में पायलट की गलती की खबरों को सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू ने गलत बताया है। नायडू ने विदेशी मीडिया से भी संयम बरतने की अपील की है। साथ ही जल्दबाजी में किसी नतीजे पर न पहुंचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा- अअकइ की जांच जारी है। फाइनल जांच रिपोर्ट जारी होने तक कोई कमेंट न करें। अहमदाबाद प्लेन हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। नायडू की यह टिप्पणी विदेशी मीडिया की उन खबरों के बीच आई, जिनमें कहा गया कि हादसे की वजह पायलट की एक गलती थी। पहली बार देश में ही हुआ ब्लैक बॉक्स का डेटा डिकोड एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने भारत में ही प्लेन के ब्लैक बॉक्स को डिकोड कर लिया है। ऐसा पहली बार हुआ है। नायडू बोले- जो कहा जा रहा है, हम उसके आधार पर आगे नहीं बढ़ सकते। हमें रिपोर्ट पर अड़े रहना होगा। रिपोर्ट जो भी कहेगी, वही फाइनल होगा। इसलिए, हमें अअकइ को वह दायरा, समय और विश्वास देना होगा। इसकी बहुत जरूरत है।

विमान की टेल वाले हिस्से से मिले अहम सुराग

जांच से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि विमान के एम्पेनेज या टेल असेंबली के मलबे से महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। हादसे के दौरान प्लेन का पिछला हिस्सा अलग हो गया और भीषण आग से बच गया।

नायडू बोले- मुझे उसके काम पर भरोसा है

पूरे ब्लैक बॉक्स को डिकोड करने और भारत में ही डेटा रिकवर करना एक बड़ी सफलता थी क्योंकि पिछली घटनाओं में, जब भी ब्लैक बॉक्स मिलता था, तो डेटा रिकवर करने के लिए हमेशा विदेश भेजा जाता था। प्लेन के पिछले हिस्से में इलेक्ट्रिक सप्लाई की खराबी की खबरों के बारे में पूछे जाने पर नायडू ने धीरज रखने कहा।

राजस्थान के नागौर में सड़क पर मछलियां तैरीं

काशी की कॉलोनियों में बाढ़, पटना में गंगा का लेवल बढ़ा; श्रीनगर देवल ब्रिज में लैंडस्लाइड

एजेंसी

नई दिल्ली , राजस्थान में हो रही भारी बारिश आफत बन गई है। नागौर में तालाब भर गए हैं और पानी बाहर आ गया है, सड़क पर सैकड़ों मछलियां तैर रही है। वहीं, पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण अलग-अलग हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। उधर बिहार के कई नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। पटना में गंगा नदी उफान पर है। पटना ऊट ने जिले के 78 स्कूलों को 21 जुलाई तक बंद रखने का आदेश दिया है। वहीं, जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर समरोली में देवल ब्रिज में लैंडस्लाइड के चलते कश्मीर जाने वाला रास्ता बंद हो गया है। मौसम विभाग ने कर्नाटक, बिहार, सिक्किम, बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, उत्तर-दक्षिण कर्नाटक और उत्तराखंड में कुमाऊं क्षेत्र के कुछ हिस्सों में रविवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, हिमाचल में कुल 141 सड़कें अभी भी बंद हैं।

यूपी में लगातार बारिश से गंगा, यमुना और मंदाकिनी जैसी नदियां उफान पर हैं। काशी में 84 घाट डूबने के बाद अब गंगा का पानी अस्सी घाट की सड़क तक पहुंच गया है। गंगा के साथ वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है।

महोबा में बांध 7 गेट खोले, 3 मकान ढह गए

महोबा में उर्मिल बांध के 7 फाटक एक साथ खोले गए। जिससे कैमाहा गांव में बाढ़ आ गई। गांव के 3 मकान ढह गए। घरों में 4 फीट तक पानी भर गया। लोग परिवार समेत गांव छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जा रहे हैं।

आप विधायक का यू-टर्न, 24 घंटे में बदला फैसला, इस्तीफा लिया वापस

एजेंसी

चंडीगढ़ः अनमोल गगन मान ने पंजाब सरकार में विधायक पद से इस्तीफा देकर राजनीति छोड़ने का ऐलान किया था, लेकिन 24 घंटे में ही उन्होंने यू टर्न लेते हुए अपना फैसला बदल दिया है. अनमोल ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है. उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी का फैसला स्वीकार है. अनमोल गगन मान ने पर लिखा कि आज हमने अपनी पार्टी के अध्यक्ष अमन अरोड़ा से मुलाकात की ।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों-सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर

किश्तवाड़ में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी घिरे; 24 दिन पहले उधमपुर में 1 आतंकी मारा गया था

23 अप्रैल को बारामूला के उरी सेक्टर में के पास आतंकी घुसपैठ की कोशिश की गई थी। सेना ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने 2-3 आतंकियों को घुसपैठ की कोशिश करते देखा था।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। शुरूआती रिपोर्ट के मुताबिक, डाचन इलाके में जैश-ए-मोहम्मद (खीट) के आतंकियों के इलाके में छिपे होने की संभावना है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। ऑपरेशन जारी है और अधिक जानकारी का इंतजार है। अखनूर में 12 अप्रैल को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के खउड कुलदीप चंद शहीद हो गए थे। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में एक रात पहले एनकाउंटर शुरू हुआ था। इसके अलावा 11 अप्रैल को ही किश्तवाड़ के जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में छङ्गउ पर

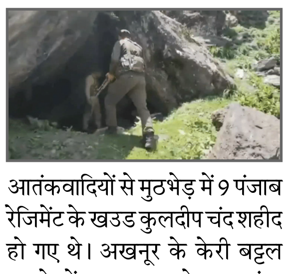

आरएस पुरा सेक्टर पर इरत्रः के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को छङ्गउ पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी।

कठुआ में एक महीने में 3 एनकाउंटर

मार्च 2025 में कठुआ में सुरक्षाबलों की आतंकियों तीन मुठभेड़ हुई। पहली मुठभेड़ 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में हुई थी। सुरक्षाबलों को जैश-ए-मोहम्मद के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट से जुड़े 5 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी।

संसद के मानसून सत्र से पहले केजरीवाल और संजय सिंह ने उपराष्ट्रपति से की मुलाकात

उपराष्ट्रपति से पहले केजरीवाल झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मिले थे. इन मुलाकातों में एक वजह समान है

केजरीवाल और संजय सिंह उपराष्ट्रपति के स्वास्थ्य संबंधी हालचाल और उनके स्वास्थ्य जीवन की कामना के लिए मिले थे. इसी तरह अरविंद केजरीवाल 15 जुलाई को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल पहुंचकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उनके पिता का हालचाल जाना. मुलाकात के बाद केजरीवाल ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट करके यह जानकारी दी है.

एजेंसी

नई दिल्लीः आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से उनके आवास पर मुलाकात की. केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उपराष्ट्रपति के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए उनसे मुलाकात की. मैं ईश्वर से उनके दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं. उपराष्ट्रपति कार्यालय ने भी एक्स पर एक पोस्ट में इस मुलाकात की पुष्टि की. केजरीवाल ने अपने पोस्ट में लिखा था कि दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल जाकर झारखंड के मुख्यमंत्री और मित्र हेमंत जी से मुलाकात कर उनके पिता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी का हालचाल जाना.

तेवर

कहा- 'पार्टी नहीं, देश पहले',

शशि थरूर के बागी तेवर से कांग्रेस में भूचाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कांग्रेस और सांसद शशि थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव अब खुलकर सामने आ गया है। थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को अपना अडिग रवैया दिखाया है। हाल ही में एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफ कह दिया कि चाहे जितनी आलोचना हो, वह अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के लिए सही है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर कोच्चि में एक कार्यक्रम में थे, तभी एक हाई स्कूल के छात्र ने उनसे पार्टी के साथ उनके असहज संबंधों के बारे में सवाल पूछ लिया। थरूर ने अपनी टिप्पणी का वीडियो शेयर करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'हालांकि मैं ऐसी राजनीतिक चचाओं से दूर रहता हूं, लेकिन मुझे लगा कि एक छात्र को जवाब मिलना चाहिए।' उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से, या जैसे भी कह लें, किसी भी लोकतंत्र में राजनीति हमेशा प्रतिस्पर्धा पर आधारित होती है। जब मेरे जैसे लोग कहते हैं कि हम अपनी पार्टियों का सम्मान करते हैं, हमारे कुछ ऐसे मूल्य और विश्वास हैं जो हमें अपनी पार्टियों में बनाए रखते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हमें दूसरी पार्टियों के साथ भी सहयोग करने की जरूरत है - जैसा कि आपने पूछा - तो कभी-कभी पार्टियों को लगता है कि यह उनके प्रति बेवफाई है। और यह एक बडी समस्या बन जाती है।' उन्होंने यह बात अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा उन पर निशाना साधने का जिक्र करते हुए कही। थरूर ने आगे कहा, 'आपकी पहली वफादारी किसके प्रति है? मेरे हिसाब से, राष्ट्र सबसे ऊपर है। पार्टियां राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक जरिया हैं। इसलिए, मेरे विचार में, आप जिस भी पार्टी से हों, उस पार्टी का मकसद अपने तरीके से एक बेहतर भारत बनाना है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टियों को इस बात पर असहमत होने का पूरा अधिकार है कि बेहतर भारत बनाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। 'हममें से कुछ ज्यादा पूंजीवाद की बात कर सकते हैं।

कुछ लोग ज्यादा समाजवाद की बात कर सकते हैं। कुछ लोग कुछ खास तरह के नियमों के पक्ष में हो सकते हैं। कुछ लोग ज्यादा नियम-कायदों के खिलाफ भी हो सकते हैं। तो आपके अलग-अलग विचार हो सकते हैं। यह ठीक है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर और कांग्रेस के बीच 'राष्ट्र पहले' की विचारधारा पर गहरा मतभेद उभरकर सामने आया है। थरूर का मानना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर देश की वफादारी पार्टी निष्ठा से ऊपर है, जिसे पहलगाम हमले पर उनके रुख से पार्टी में नाराजगी पैदा हुई है। वह अपने इस अटल विश्वास पर कायम हैं कि जब देश खतरे में हो तो दलीय मतभेदों को भुला देना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा के लिए 4,000 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बफार्नी के दर्शन करने के लिए भगवती नगर आधार शिविर से 900 महिलाओं सहित 4,388 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था रविवार को रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम और गांदरबल में बालटाल मार्गों से यह 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा तीन जुलाई को शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि अब तक 2.90 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बफार्नी के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, दोनों मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है और आज (रविवार को) दिन में तीर्थयात्रियों की संख्या तीन लाख के आंकड़े को पार कर जाने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि 130 साधुओं एवं साध्वियों सहित तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलग-अलग काफिलों में आधार शिविर से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 115 वाहनों के काफिले में 2,815 तीर्थयात्री पहलगाम के लिए रवाना हुए, जबकि 95 वाहनों में सवार 1,573 तीर्थयात्रियों ने बालटाल मार्ग को प्राथमिकता दी। यह तीर्थयात्रा नौ अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी।

अधिकारियों के अनुसार, दोनों मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है और आज (रविवार को) दिन में तीर्थयात्रियों की संख्या तीन लाख के आंकड़े को पार कर जाने की संभावना है।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

सम्पादकीय

पुलिस-प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती सकुशल कांवड़ यात्रा संपन्न करवाना

हर वर्ष की तरह ही इस बार भी पवित्र श्रावण मास में देवाधिदेव भगवान महादेव के करोड़ों शिव भक्त को शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में सकुशल कांवड़ यात्रा करवाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। जिसको संपन्न करवाने के लिए उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान का पुलिस-प्रशासन दिन-रात एक करके अपने पूरे दल-बल के साथ धरातल पर व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। पुलिस-प्रशासन को कांवड़ियों की संख्या में इस वर्ष भारी इजाफा होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरफ तो जहां कांवड़ियों की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिम्मेदारी है, वहीं दूसरी तरफ इन करोड़ों शिवभक्त कांवड़ियों के लिए समुचित व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी है, जिसमें दोनों राज्यों का शासन व पुलिस-प्रशासन दिन-रात जुटा हुआ है। वैसे देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से वर्ष दर वर्ष कांवड़ लाने वाले शिवभक्तों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर पुलिस-प्रशासन के द्वारा जिस तरह से उत्तर प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों का सेवाभाव के साथ पलक-पांवड़े बिछाकर के स्वागत किया जाता है और कांवड़ियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका माइक्रो लेवल पर विशेष ध्यान रखा जाता है, इस स्थिति ने कांवड़ियों की संख्या में भारी इजाफा करने का कार्य कर दिया है। भारी-भीड़ की स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए एक फुलप्रूफ, चाक-चौबंद व्यवस्था करना बेहद चुनौती पूर्ण कार्य बन गया है। कांवड़ यात्रा में विशेषकर के उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लाखों शिवभक्त कांवड़ियों के बीच छिपे हुए चंद अराजकता फैलाने की मंशा रखने वाले हुड़दंगियों की आखिरकार वह कैसे पहचान करें। हालांकि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के पास भक्तों की इस तरह की भारी भीड़ को नियंत्रण करने व उनके लिए समुचित व्यवस्था करने का दशकों पुराना लंबा अनुभव है, जिस अनुभव के ही बलबूते पर ही इन दोनों राज्यों का सिस्टम हर वर्ष ऐसे मेलों में उत्पन्न विकट से विकट परिस्थितियों से भी आसानी से निपट लेता है। लेकिन इस बार शुरूआती दिनों से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है, शुरू के दिनों की बात करें तो प्रशासन के द्वारा 10 जुलाई से हरिद्वार में जल लेकर अपने गंतव्य स्थल पर जाने वाले कांवड़ियों की गिनती शुरू की गई थी। प्रशासन के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 10 जुलाई से लेकर 15 जुलाई मंगलवार की शाम 6:00 बजे तक 80 लाख 90 हजार कांवड़िए गंगा जल लेकर के अपने गंतव्य की तरफ वापस चल दिए, कांवड़ियों की यह संख्या प्रतिदिन बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है।

आज का विचार

मेष : आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको अपने कानूनी मामलों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृषभ : आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप अपने अच्छी सोच से कार्यक्षेत्र में अपने बॉस की आंखों का तारा बनेंगे और आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी भी मिल सकती है। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। पारिवारिक रिश्तों में आपको समानता बनाए रखनी होगी। कार्यक्षेत्र में आप छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करें। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपका कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। मित्रों के साथ संबंधों में सुधार आएगा। व्यापार में आपको समझदारी दिखानी होगी। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपके धनधान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। शासन प्रशासन का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने व्यापार को आगे ले जाने के लिए योजना बनानी होगी और किसी के साथ आप पार्टनरशिप करने से बचें।

कन्या: आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी कला कौशल में सुधार आएगा और आर्थिक स्थिति को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

तुला : आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, लेकिन आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। वाहनों का प्रयोग आपको सावधान रहकर करना होगा और आप किसी को उधार देने से बचें।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आप अपने बिजनेस में पार्टनरशिप न करें, बहुत ही देखभाल कर करें। माताजी से आप कुछ पारिवारिक समस्याओं को लेकर बातचीत कर सकते हैं, क्योंकि वह आपकी टेंशनो को बढ़ाएंगी।

धनु : आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए ठीक-ठाक रहने वाला है, लेकिन उसमें किसी के कहने में आकर कोई जोखिम भरा काम ना करें। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आपका यदि कोई पहले का लेनदेन चल रहा था, तो वह भी दूर होता दिख रहा है।

मकर : आज का दिन आपके लिए मिलेजुले परिणाम लेकर आएगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी बड़े लक्ष्य को पूरा करने की आवश्यकता है। मित्रों के साथ आपका विश्वास काफी गहरा रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है।

कुंभ: आज आपको किसी वाद-विवाद को करने से बचना होगा। आज कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लगा सकता है, जिसमें आप अपनी बात अधिकारियों के सामने अवश्य रखें। आप कुछ नया सीखने के बाद पूरा ध्यान देंगे। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा।

मीन: आज आपको परिस्थितियों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। आप किसी विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध करने से आपकी समस्याएं बढ़ सकती है। बड़ों के प्रति आदर व सम्मान बना रहेगा। आपको वाहनों के तरफ से आपको सावधान रहने की आवश्यकता है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है।

पा रतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है। नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है, संविधान खतरे में है, तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आंतरिक अशांति के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषत: लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है। देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई। विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी। विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूंबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति विकास की बजाय विरोध पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है। विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर तानाशाही, संविधान बदलने की साजिश, जनविरोधी नीतियों जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं। क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

स्कूलों को उड़ाने की धमकियां: सुरक्षा पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 45 स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी बेहद गंभीर और चिंताजनक है। चूंकि ऐसी धमकियां लगातार आ रही हैं, इसलिए हमारे सुरक्षा तंत्र को बहुत सजग हो जाना चाहिए। यह पुलिस एवं प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती एवं गंभीर प्रश्न है, क्योंकि बीते कुछ ही दिनों में करीब चार बार ऐसी धमकियों के ई-मेल अथवा फोन से डराने एवं धमकाने वाले सन्देश मिले हैं। इसी बुधवार को ही सात स्कूलों को विस्फोट की धमकी मिली थी। अगर यह किसी की सोचा-समझी साजिश है तो बहुत गंभीर है। किसी की शरारत भी है, तब भी अक्षम्य अपराध है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में स्कूलों को उड़ाने की मिल रही ऐसी धमकियां न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि यह हमारे भविष्य, यानी बच्चों की मानसिक शांति और शिक्षा के अधिकार पर भी गहरा आघात है। कई बार ये धमकियां फर्जी साबित हुईं, लेकिन हर बार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में भारी दहशत का माहौल बना, जिससे न केवल शिक्षण प्रभावित हुआ बल्कि प्रशासन की सजगता और तत्परता भी सवालों के घेरे में आ गई।

मई 2024 में एक ही दिन में दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं थी। राजधानी के प्रतिष्ठित स्कूलों जैसे पश्चिम विहार इलाके में रिचमंड ग्लोबल स्कूल और रोहिणी सेक्टर-3 स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें तीन कॉलेज शामिल हैं। डीपीएस, मदर्स इन्टरनेशनल, संस्कृति स्कूल आदि प्रतिष्ठित स्कूलों को इस भयावह चक्रव्यूह में शामिल किया गया है। ताजा धमकियों में हो सकता है, जांच में कुछ भी चिंताजनक न मिले, पर ऐसी धमकी से तात्कालिक रूप से जो तनाव पैदा होता है, उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ई-मेल से दी गई धमकी की जो भाषा है, उस पर अवश्य गौर करना चाहिए। पुलिस और प्रशासन की तत्काल प्रतिक्रिया एवं सतर्कता के चलते सुरक्षा के कदम उठाते हुए स्कूलों को खाली कराया गया, बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हालांकि बाद में अधिकतर धमकियां फर्जी ही पाई गईं, लेकिन जिस प्रकार बार-बार ये घटनाएं हो रही हैं, वह एक सुनियोजित मानसिक आतंकवाद की ओर इशारा करती हैं। इसमें मुख्यतः साइबर सुरक्षा में चूक भी दिख रही है।

इन डराने एवं खौफ पैदा करने वाली घटनाओं की अभी तक की जांच में पुलिस ने पाया है कि ये सभी धमकी भरे संदेश फर्जी हैं। फर्जी होने के बावजूद जांच को एक पुख्ता एवं सटीक समाधान तक पहुंचाना चाहिए। कौन अपराधी है, जो ऐसी धमकियां दे रहा है? अगर वह कोई बिगड़ैल बच्चा भी है, तो उसे इलाज की जरूरत है। वैसे इतने सुनियोजित तरीके की भेजी जा रही धमकियां किसी बिगडैल एवं शरारती बच्चे की नहीं हो सकती, जरूर इसके पीछे किसी बड़े षडयंत्रधारी का हाथ है। धमकाने की यह परिपाटी या किसी को डराने का यह तरीका अनियंत्रित नहीं होना चाहिए। अधिकांश ईमेल और धमकियां विदेशी सर्वरों से भेजी गई थीं-रूस, यूक्रेन जैसे देशों से। यह भारत की साइबर सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से की जा रही साजिशों की ओर संकेत करती है। यह संकट केवल सुरक्षा का नहीं, मानसिक आघात का है। हर धमकी के बाद छात्रों की परीक्षा, पढ़ाई, उपस्थिति और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा है। बच्चों के भीतर असुरक्षा, भय और अविश्वास की भावना उत्पन्न हो रही है, जो उनके समग्र विकास के लिए बेहद खतरनाक है। अभिभावक-समाज में भी गहरा असंतोष और चिंता व्याप्त है, जो सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसे को कम कर रही है।

इन डराने एवं असुरक्षा का वातावरण पैदा करने वाली धमकियों के बावजूद स्कूल प्रशासन की यह सराहनीय बात है कि ज्यादातर स्कूल खुले रहे और सबने सावधानी से काम लिया। कहीं भी अफरा-तफरी नहीं होने दी गयी। फिर भी ऐसी धमकियों के मनोवैज्ञानिक एवं संवेदनशील असर को गहराई से समझने की जरूरत है। क्या ऐसी बार-बार मिल रही धमकियों से हम एक डरा हुआ समाज ही नहीं, बल्कि एक लापरवाह समाज भी बना रहे हैं? आज ऐसी धमकियों से हमें डर लग रहा है, लेकिन कल हो सकता है, ये धमकियां हमें लापरवाह बना दें। तब शरारती तत्व किसी बड़ी घातक एवं अनहोनी घटना को अंजाम दे देने में सफलता पा ले। जरूरत है स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ अस्थायी जांच और अलार्म तक सीमित न रहे। एक स्थायी और आधुनिक सुरक्षा फ्रेमवर्क लागू किया जाना चाहिए, जिसमें सीसीटीवी, बायोमैट्रिक एंट्री, इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम आदि अनिवार्य हों। साथ ही, स्कूलों को अपने स्तर पर भी पुख्ता सुरक्षा के प्रबंध रखने चाहिए। बच्चों के आने और स्कूल तक पहुंचने के मार्ग खुले, चौड़े व स्पष्ट होने चाहिए। यह परखना चाहिए कि स्कूलों में अग्निशमन की व्यवस्था है या नहीं? इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कूल सुरक्षित है या नहीं? अलार्म और निगरानी व्यवस्था चौकस है या नहीं? जो स्कूल टूटे-फूटे हुए हैं, जिन स्कूलों में जल भराव या फिसलन की समस्या है, वहां विशेष रूप से उपाय करने की जरूरत है।

इस तरह की धमकी देने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो। आईटी एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत त्वरित कार्यवाही से ही ऐसे अपराधियों को रोका जा सकता है। धमकियां झूठी भी हों, तो भी दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि सभी को सबक मिले। यह अच्छी बात है कि दिल्ली के अनेक स्कूलों ने अपने विद्यार्थियों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित कर रखा है। शुक्रवार को जब धमकी की बात सामने आई, तब भी अनेक स्कूलों में कक्षाओं को बहुत आसानी से खाली करा लिया गया। सारे विद्यार्थी अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित जगहों पर पहुंच गए। वास्तव में, यह एक अनिवार्यता है कि सभी स्कूल अपने विद्यार्थियों को समय-समय पर प्रशिक्षित करें और मानसिक रूप से मजबूत रखें एवं ऐसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दें।

स्कूलों में मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था हो ताकि ऐसे हादसों से बच्चों और शिक्षकों पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावों को कम किया जा सके।

बार-बार मिल रही इन धमकियों ने परिवारों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता में डाल दिया है और लोग सरकार से यह उम्मीद कर रहे हैं कि वह इन धमकियों की तह में जाकर ठोस समाधान करें।

जरूरत शब्द स्वच्छता अभियान की; लोगों में अपशब्दों का बढ़ता प्रचलन खतरनाक

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

यह काफी चौंकाने वाला रिपोर्ट है जिसे जानकर आप भी सोचने पर विवश हो जाएंगे, दरअसल एक सर्वे रिपोर्ट आई है कि देश में लोगों की आम बोलचाल की भाषा हंसी मजाक की भाषा के साथ-साथ मीडिया इंटरनेट ओटीटी जैसे प्लेटफार्म में भी हास परिहास बोलचाल की भाषा में इतनी गिरावट आ गई है कि आप अब वह सब सुनकर असहज हो जाएंगे। आमतौर पर लोगों के बोलचाल में शब्दों की इतनी गिरावट आ चुकी है कि लोगों की भाषा अब गाली गलौज और अश्लीलता के साथ दूसरे लोगों के बीच संप्रेषित किया जाने लगा है। यह कमोबेश सभी वर्ग में दिखने लगा है और तो और खास करके शिक्षित युवा युवतियों के बीच भी यह ट्रेंड आम हो चला है। यह स्थिति हमारे देश के संस्कृति और संस्कार के लिए बहुत ही खराब और चिंतनीय है। आपको यह जानकर और भी आश्चर्य होगा कि आम बोलचाल में अपशब्दों का, गाली गलौज का प्रयोग करने में सबसे 76 प्रतिशत के साथ टॉप में दिल्ली के लोग हैं। जी हां दिल्ली जो देश की सबसे बड़ी संस्कारधानी और राजधानी भी है। इसके बाद पंजाब 75 प्रति., यूपी, और बिहार, 74 प्रति. राजस्थान 68 प्रति., मध्य प्रदेश 66 प्रति. और महाराष्ट्र 61 प्रति. का नाम आता है। सुखद स्थिति यह है कि पूर्वांचल के राज्य और साउथ के राज्यों में कमोबेश स्थिति अभी उतनी खराब नहीं हुई है। हमारे बीच होने वाली बोलचाल न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है, बल्कि हमारी सोच, संस्कृति और सामाजिक मयार्दाओं का भी प्रतिबिंब होती है। समय के साथ भाषा में बदलाव स्वाभाविक है, लेकिन जब उसमें अशालीनता, अपशब्द और गाली-गलौज का सामान्यीकरण होने लगे, तो यह केवल भाषाई समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक गिरावट का संकेत बन जाती है। आजकल देखा जा रहा है कि न केवल विवाद या गुस्से के क्षणों में, बल्कि हंसी-मजाक और सामान्य बातचीत में भी अपशब्दों का प्रयोग आम होता जा रहा है। यह प्रवृत्ति न केवल भाषा को दूषित कर रही है, बल्कि हमारे सामाजिक व्यवहार और रिश्तों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। इसके कई कारण हैं-जैसे1. सामूहिक संस्कृति और प्रभाव- आजकल मित्र मंडलियों में अपशब्दों का प्रयोग ₹मस्ती₹ और ₹बोल्डनेस₹ का प्रतीक बन गया है। जब कोई व्यक्ति देखता है कि उसके दोस्त गालियों का प्रयोग कर रहे हैं, तो वह भी उसी व्यवहार को अपनाने लगता है, चाहे वह शुरू में असहज ही क्यो न हो। 2. मनोरंजन माध्यमों का प्रभाव-फिल्में, वेब सीरीज, कॉमेडी शोज और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में गालियों और अशिष्ट भाषा का खुलेआम उपयोग होता है। इन माध्यमों ने इस भाषा को ₹हास्य₹ या ₹रियलिज्म₹ के नाम पर मान्यता दे दी है, जिससे युवा पीढ़ी इसे सही मानने लगी है। 3. ₹कूल₹ और बिंदास दिखने की होड़- कई युवाओं को लगता है कि गाली-गलौज करने से वे ज्यादा 'फ्रैंक', 'बिंदास' और 'आधुनिक' दिखते हैं। यह सोच पूरी तरह से भ्रमित है, लेकिन सोशल मीडिया की लाइक्स और व्यूज की संस्कृति ने इसे बढ़ावा दिया है। 4. संवेदनशीलता में कमी- आज के दौर में दूसरों की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता घट रही है। ₹ये तो मजाक था₹, ₹सीरियस मत हो₹ जैसे जुमले कहकर लोग गाली और अपमान को भी सामान्य ठहराने लगे हैं। 5. शब्द संपदा की कमी- जब लोगों के पास भाव प्रकट के लिए उचित शब्द नहीं होते, कौशल की गिरावट को दशार्ता है। इसका यह दुष्प्रभाव दिखता है की गरिमा घटती है। बच्चों और किशोरों के सामने यह गलत आदर्श बनता है। रिश्तों में सम्मान और मयार्दा खत्म होती है।

महाराष्ट्र में चार मंत्रियों की होगी छुट्टी?

कृषि मंत्री के रमी वीडियो के बाद उद्धव गुट के नेता संजय राउत का बड़ा दावा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र विधानमंडल के मानसून सत्र में कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के रमी गेम खेलने को लेकर जहां राजनीति गरमाई हुई है। तो वहीं दूसरी तरफ अब उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने बड़ा बम फोड़ा है। राउत ने कहा है कि चार मंत्री घर जाएंगे। संजय राउत के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद हलचल मच गई है कि क्या वाकई में सीएम फडणवीस कोई बड़ा फैसला लेने वाले हैं। रविवार को शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने माणिकराव कोकाटे का वीडियो साझा किया था। जिसमें वह रमी खेलते दिख रहे हैं, हालांकि कोकाटे ने कहा था कि उसे स्किप कर रहे थे।

राउत के दावे पर छिड़ी नई चर्चा

संजय राउत ने यह दावा कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे का मोबाइल पर रमी खेलते हुए एक वीडियो सामने के बाद किया है। राउत ने लिखा है कि चार मंत्री जरूर घर जाएंगे, महाराष्ट्र में जल्द ही तेजी से विकास शुरू होगा। संजय राउत ने लिखा है मैं दिल्ली में हूं, फडणवीस की कैबिनेट रमी खेल रही है। चार मंत्री निश्चित रूप से घर जा रहे हैं। पांचवां भी मुश्किल में है। शिंदे-अजित पवार और अमित शाह ने फैसला ले लिया है। राउत ने अपनी पोस्ट में माणिकराव कोकाटे का वीडियो भी साझा किया है। चार मंत्री कौन हो सकते हैं इसको लेकर राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है।

शिरसाट के बाद कोकाटे बनी मुसीबत

माणिकराव कोकाटे के ताजा वीडियो ने महायुति सरकार के लिए शर्मिंदगी खड़ी की है। फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद धनंजय मुंडे को पहले ही इस्तीफा हो चुका है।

महाराष्ट्र में हर दिन 8 किसान कर रहे सुसाइड, कृषि मंत्री खेल रहे रमी, रोहित पवार ने साझा किया विधानसभा का वीडियो

महाराष्ट्र के कृषि राज्य मंत्री माणिकराव कोकाटे के एक वीडिया पर सियासत गरमा गई है। शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने विधानसभा की दो क्लिप साझा की हैं इसमें माणिकराव कोकाटे मोबाइल पर गेम खेलते दिख रहे हैं। पवार ने पूछा है कि क्या कृषि मंत्री के पास कोई नहीं काम नहीं बचा है?

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

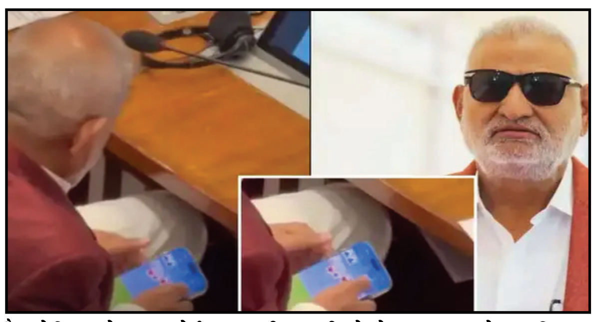

मुंबईः महाराष्ट्र में महायुति सरकार के दूसरे कार्यकाल में कृषि राज्य मंत्री का दायित्व संभाल रहे माणिकराव कोकाटे एक बार फिर विवाद में घिर गए हैं। शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने एक वीडियो साझा किया है। पवार ने आरोप लगाया है कि इसमें माणिक राव कोकाटे मोबाइल पर रमी खेलने में व्यस्त थे। रोहित पवार ने कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे की कड़ी आलोचना की है कि वे विधानसभा में बैठकर रमी खेल रहे हैं क्योंकि उनके पास कोई काम नहीं बचा है। रोहित पवार के इस वीडियो पर महाराष्ट्र में राजनीति गरमा गई है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने भी निशाना साधा है। महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून सत्र दो दिन पहले ही खत्म हुआ है। यह वीडियो मानसून सत्र का ही है।

रोहित पवार का कड़ा हमला

रोहित पवार ने माणिकराव कोकाटे पर कहा कि आओ, महाराज, जंगली रमी खेलो! महाराष्ट्र में हर दिन 8 किसान आत्महत्या कर रहे हैं और कृषि मंत्री रमी खेलने में व्यस्त हैं। पवार ने अजित पवार को लपेटा है और कहा है कि सत्ता में बैठा राष्ट्रवादी दल बीजेपी से पूछे बिना कुछ नहीं कर सकता। इसीलिए कृषि संबंधी अनगिनत लंबित मुद्दों के बावजूद, जब राज्य में हर रोज आठ किसान आत्महत्या कर रहे हैं, तब भी कोई काम नहीं है, इसलिए कृषि मंत्री पर रमी खेलने का समय आ गया है। पवार ने आगे कहा है कि महाराज कृषि पर कब आएंगे? क्या ये मंत्री और सरकार, जो अपनी राह से भटक गए हैं। फसल बीमा-कर्जमाफी मांग कर रहे किसानों की पुकार कभी गरीब किसान की खेती पर भी आओ ना महाराज सुनेंगे? रोहित पवार ने यह भी कहा है कि जब महाराज कृषि पर आएं, तो खेल बंद करें और कर्जमाफी करें।

क्या बोले कृषि मंत्री कोकाटे?

अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कोट से कृषि राज्य मंत्री माणिकराव कोकाटे ने रोहित पवार के वीडियो पर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि कि वीडियो उस वक्त का है जब सदन स्थगित हो गया था। किसी ने उनके मोबाइल में यह गेम लोड किया होगा। उसे वह स्किप कर रहे थे। उन्होंने कहा यह आरोप साजिश के तहत लगाए गए हैं जो कभी कामयाब नहीं होंगे। कोकाटे कई बार पहले भी विवादों में आ चुके हैं।

फास्ट ट्रैक

अगर राज और मैं साथ आते हैं तो किसी के पेट में दर्द क्यों? हम मिलकर पूरा करेंगे महाराष्ट्र का सपने... उद्धव की टंकार

मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना वइळप्रमुख उद्धव ठाकरे की मुलाकात के बाद राजनीतिक चचाएं तेज हो गई हैं। संजय राउत की ओर से लिए गए इंटरव्यू में उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर राज और मैं साथ आ जाते हैं, तो किसी के पेट में दर्द नहीं होना चाहिए। हम साथ मिलकर महाराष्ट्र के सपने को साकार करेंगे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे के मिलने के बाद क्या ये दोनों नेता मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में साथ आएंगे? इस पर चर्चा हो रही है। उद्धव ठाकरे ने सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत को एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने राज ठाकरे के साथ गठबंधन पर खुलकर बात की। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वे राज ठाकरे को कभी भी फोन कर सकते हैं। कभी भी मिल सकते हैं और राज ठाकरे भी उन्हें कभी भी फोन कर सकते हैं। इस इंटरव्यू में उन्होंने बीजेपी पर भी निशाना साधा।

क्या राज और उद्धव ठाकरे साथ आएंगे?

संजय राउत ने उद्धव ठाकरे से पूछा कि क्या राज और उद्धव ठाकरे साथ आएंगे? क्या दोनों का राजनीतिक गठबंधन होगा? यह सवाल महाराष्ट्र की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस पर उद्धव ठाकरे ने जवाब दिया कि क्या हम दोनों भाइयों के साथ आने से किसी को कोई परेशानी है? अगर किसी के पेट में दर्द है तो वे अपना दर्द संभालें। हम दोनों मिलकर महाराष्ट्र का सपना पूरा करेंगे और सही समय पर सही फैसला लेंगे।

अन्य भाषा बोलने वालों को भी खुशी

उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि उनके साथ आने से सिर्फ मराठी लोगों को ही नहीं, बल्कि अन्य भाषा बोलने वालों को भी खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि मैं तो साफ कहता हूं कि मुसलमान भाइयों को भी खुशी हुई है। वे खुलकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। गुजराती और हिंदी बोलने वाले भी कह रहे हैं कि 'अच्छा किया आपने'। मुझे उनकी खुशी देखकर अच्छा लग रहा है। लेकिन अगर किसी को पेट में दर्द हो रहा है, तो वह अपना दर्द संभाले। मैं उस पर ध्यान नहीं देता। इस तरह ठाकरे ने बीजेपी पर अप्रत्यक्ष रूप से हमला किया।

बालासाहेब का जो सपना था, वह साकार होगा

संजय राउत ने इंटरव्यू में पूछा कि वर्ली के मंच पर राज ठाकरे ने कहा था कि बालासाहेब का जो सपना था, वह साकार होगा। आपने भी बार-बार कहा कि लोगों के मन में जो है, वह हम साकार करेंगे। इसका महाराष्ट्र क्या मतलब निकाले? इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि इसका मतलब यही है कि लोगों के मन में जो है, वह हम साकार करेंगे। अब 20 साल बाद साथ आए हैं। हर जगह राजनीति नहीं होनी चाहिए। मराठी भाषा, महाराष्ट्र धर्म और मराठी लोगों के लिए जो कुछ भी करने की जरूरत है। उसके लिए मैं तैयार हूं।

20 साल बाद साथ आए यह भी कम नहीं

जब उनसे पूछा गया कि क्या इस बारे में राज ठाकरे से उनकी कोई बात हुई है? तो उद्धव ठाकरे ने सीधा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत होगी... लेकिन पहले 20 साल बाद साथ तो आए हैं। यह भी कम नहीं है! यह बहुत बड़ी बात है। इसलिए मैंने उस दिन भाषण में कहा था कि आज हमारे भाषण से ज्यादा हमारा साथ दिखना महत्वपूर्ण है।

चुनाव आते ही बदनामी का खेल खेलते हैं...उद्धव ठाकरे पर शिंदे का तंज, मैं सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं हुआ

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के नजदीक आने के साथ राजनीतिक घमासान बढ़ता जा रहा है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी ने रामदास कदम और उनके बेटे योगेश कदम को निशाने पर लिया था। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने अब आरोपों पर पलटवार करते हुए करारा हमला बोला है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली यूबीटी पर करारा हमला बोला है। रविवार को शिंदे ने पार्टी के नेता रामकदम और योगेश कदम पर अरोप लगाए जाने पर यूबीटी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि शीशे के घरों में रहने वालों को दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। शिंदे ने कहा कि मैं रामदास कदम को जानता हूं, इसलिए चिंता न करें। जब चुनाव आते हैं, तो कुछ लोग बदनामी का खेल खेलते हैं। चुनाव आते-जाते रहते हैं, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि जिनके घर शीशे के होते हैं, उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। शिंदे ने गोरेगांव स्थित नेस्को में सिद्धेश कदम की तरफ से आयोजित एक विशेष शिविर यह तीखा हमला बोला। उद्धव ठाकरे ने सामना को दिए बड़े इंटरव्यू में भी एकनाथ शिंदे को निशाने पर लिया था।

मराठियों के लिए बन रहे 35 लाख घर

शिंदे ने आरोप लगाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें इस बात का मलाल है कि उन्होंने इतने सालों में मराठी लोगों के लिए कुछ नहीं किया। हमारी सरकार ने मुंबई की सड़कों को पक्का किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मुंबई की सड़कों को पक्का किया है। अगले ढाई साल में पूरी मुंबई की सड़कें पक्की हो जाएंगी। उन्होंने उभाठा की आलोचना करते हुए कहा कि सड़कों की मरम्मत नहीं होगी, इसलिए उनका पैसा रुक जाएगा। उन्होंने मराठी लोगों के लिए कुछ नहीं किया। बालासाहेब ठाकरे का सपना था कि मराठी लोगों को 40 लाख घर दिए जाएं। हम इस सपने को आगे बढ़ा रहे हैं। 35 लाख घर बनाने का काम शुरू हो चुका है। मराठी लोगों को उनके हक का घर दिलाने के लिए काम चल रहा है। हम मुंबई से बाहर गए मराठी लोगों को वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं हुआ उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि मैं सोने का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुआ, लेकिन मैं इसे सभी को देना चाहता हूं। शिंदे ने सिद्धेश कदम, योगेश कदम और रामदास कदम के काम की तारीफ करते हुए कहा कि यहां मौजूद नेता शाखा प्रमुख रहे हैं।

मीरा रोड में एयर होस्टेस ने पायलट पर लगाया दुष्कर्म का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

मुंबई की मीरा रोड पर रहने वाली एक एयर होस्टेज ने पायलट पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित एयर होस्टेस ने कहा है कि आरोपी ने लंदन से लौटने के बाद उसके साथ जोर जबरदस्ती से इस घटना को अंजाम दिया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई की मीरा रोड इलाके में एक एयर होस्टेज से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 23 साल की एयर होस्टेल ने अपने सहकर्मी पायलट पर रेप करने का आरोप लगाया है। पीड़ित एयर होस्टेल ने मीरा रोड के नवाघर पुलिस स्टेशन में पायलट देवाशीष शर्म के खिलाफ बलात्कार करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने इस मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता और आरोपी दोनों मीरा रोड में रहते हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि दोनों हाल ही में लंदन की फ्लाइट में एक साथ गए थे। पुलिस के अनुसार आरोपी पायलट फरार हो गया है। उसकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। कुछ समय पहले गुरुग्राम में भी एयर होस्टेज ने रेप का आरोप लगाया था। तब वह मामला भी काफी सुर्खियों में आया था। लंदन से लौटने पर किया रेपमीरा भाईंदर वसई विरार पुलिस को सौंपी शिकायत में एयर होस्टेज ने कहा है कि दोनों मीरा रोड इलाके में ही रहते हैं और कुछ दिन पहले पीड़िता ने लंदन जाने वाली फ्लाइट में आरोपी के साथ यात्रा की थी। फ्लाइट से लौटने के बाद आरोपी पायलट ने पीड़िता से कहा कि वह पहले उसके घर पर रुक जाए और फिर बाद में अपने घर लौटे। पीड़िता का आरोप है कि जब वह पायलट के घर पहुंची, तो वहां कोई और मौजूद नहीं था। इस मौके का फायदा उठाकर आरोपी पायलट ने अपने घर में ही उसके साथ जबरदस्ती की। पुलिस के अनुसार एयर होस्टेज की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है। आरोपी को अरेस्ट करके आगे की जांच की जाएगी।

'मुंबई में रहना है तो मराठी बोलो वरना बाहर निकलो', लोकल ट्रेन में महिलाओं के बीच सीट का झगड़ा भाषा विवाद में बदला

मुंबई लोकल में सीट को लेकर झगड़ा हिंदी-मराठी भाषा विवाद में बदल गया। महिलाओं के डिब्बे में सीट को लेकर कहासुनी हुई। फिर कुछ मराठी बोलने वाली महिलाओं ने एक महिला यात्री को हिंदी में बोलने से मना किया और मराठी में बोलने को कहा।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई लोकल में सीट को लेकर झगड़ा हिंदी-मराठी भाषा विवाद में बदल गया। महिलाओं के डिब्बे में सीट को लेकर कहासुनी हुई। फिर कुछ मराठी बोलने वाली महिलाओं ने एक महिला यात्री को हिंदी में बोलने से मना किया और मराठी में बोलने को कहा। यह घटना मुंबई में हुई। इसका वीडियो भी बनाया गया। वीडियो में एक महिला हिंदी में बात करने पर आपत्ति जता रही है। वह कह रही है कि मराठी में बात करो। झगड़ा सीट को लेकर शुरू हुआ था, लेकिन बाद में भाषा पर आ गया। दरअसल मुंबई लोकल में यात्रा के दौरान महिला यात्रियों के बीच महिला डिब्बे में सीट को लेकर तीखी बहस छिड़ गई। यह झगड़ा जल्द ही भाषा को लेकर बहस में बदल गया। जहां मराठी भाषी महिलाओं के एक ग्रुप ने कथित तौर पर एक साथी यात्री से हिंदी में बात करना बंद करने और मराठी में बात करने की मांग की। यह घटना एक भीड़ भरे डिब्बे में हुई और इसका वीडियो भी बना।

वीडियो में क्या?

वीडियो फुटेज में एक महिला हिंदी में बात करने पर आपत्ति जताते हुए सुनाई दे रही है और उसकी जगह मराठी में बात करने पर जोर दे रही है। यह विवाद शुरू में सीट को लेकर हुआ था, लेकिन जल्द ही पर्सनल हो गया

कॉलेज के बाद ऑफिस आओ, परदे के पीछे जाओ मंत्र बोलो, पुणे में फर्जी बाबा ने की नाबालिग लड़की के साथ गंदी हरकतें

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र में पुणे को शिक्षा का गढ़ माना जाता है। हालांकि पुणे इन दिनों ढोंगियों का अड्डा बनता जा रहा है। जादू-टोना, अघोरी प्रथा, नरबलि जैसे अंधविश्वासों से जुड़े कई मामले आए दिन उजागर हो रहे हैं। वहीं अब सहकारनगर पुलिस थाने में एक बार फिर चौंकाने वाला मामला सामने आया है।

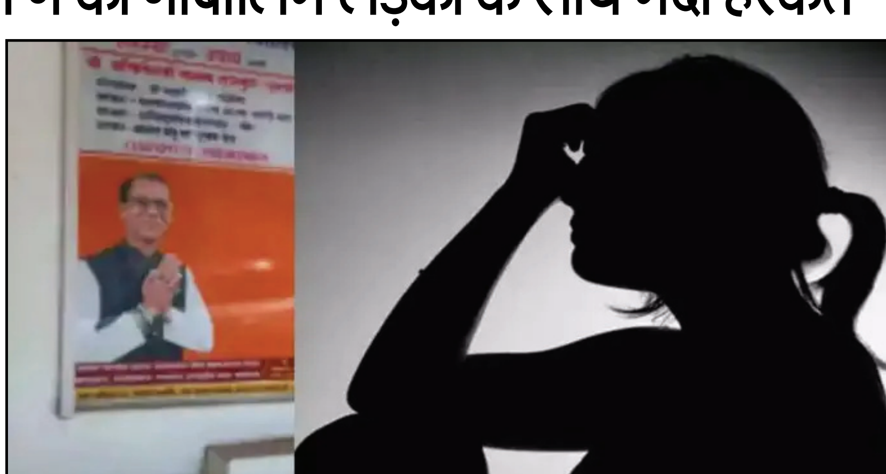

पुणेः महाराष्ट्र में पुणे को शिक्षा का गढ़ माना जाता है। हालांकि पुणे इन दिनों ढोंगियों का अड्डा बनता जा रहा है। जादू-टोना, अघोरी प्रथा, नरबलि जैसे अंधविश्वासों से जुड़े कई मामले आए दिन उजागर हो रहे हैं। वहीं अब सहकारनगर पुलिस थाने में एक बार फिर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक 45 साल के ढोंगी बाबा अखिलेश लक्ष्मण जाधव ने नाबालिग लड़की को अपने ऑफिस में बुलाया और उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कढउ की धारा 295 और महाराष्ट्र नरबलि और अघोरी प्रथा प्रतिबंधक कानून 2013 के तहत मामला दर्ज किया है।

क्या है मामला?

दरअसल कॉलेज जाने वाली एक लड़की को आरोपी जाधव ने व्हाट्सएप पर मैसेज किया। उसने लड़की को ऑफिस में कुछ सामान लेने के लिए बुलाया। लड़की कॉलेज के बाद ऑफिस पहुंची। वहां कोई नहीं था। इसका फायदा उठाकर आरोपी उसे पर्दे के पीछे ले गया। उसने लड़की से मंत्र कहने के लिए कहा। जब लड़की ने डर के मारे मना कर दिया तो ढोंगी बाबा ने उसे जबरदस्ती गले लगाया और किस करने की कोशिश की।

पुलिस ने दर्ज किया केस

इस घटना के बाद लड़की ने अपने भाई को सब कुछ बताया। भाई ने सहकारनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 295 और महाराष्ट्र नरबलि एवं अघोरी प्रथा निवारण अधिनियम 2013 की धारा 74, 78 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

सुलगते सवाल

पुणे को शिक्षा, तर्क और विज्ञान का केंद्र माना जाता है। लेकिन आज भी कई लोग आर्थिक परेशानी, बीमारी, डर या जल्दी सफलता पाने के लालच में ऐसे ढोंगी बाबाओं के जाल में फंस जाते हैं। पुलिस, प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। तभी पुणे में बढ़ते अंधविश्वास, जादू-टोना और ढोंगी बाबाओं पर लगाम लगाई जा सकती है। आम लोगों को भी ऐसे मामलों में फंसने से बचना चाहिए। उन्हें तुरंत कानूनी मदद लेनी चाहिए।

आपूर्ति विभाग ने 52 गैस सिलिंडर किया जब्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई शहर से जुड़ा हुआ तेजी से जनसंख्या के आधार पर विकास करता हुआ शहर है वसई - विरार शहर। इस शहर के लोगों की आवश्यकताएं भी बढ़ रही है। जिसमें घरेलू गैस सिलिंडर की मांग बहुत है। इसी का लाभ उठाकर गैस एजेंसी के कर्मचारी गलत काम करते हैं। हाल ही में वसई-पश्चिम के राजोडी इलाके में स्थित एक अस्तबल (घोड़े के तबेले) में घरेलू गैस से व्यावसायिक सिलिंडर भरने का मामला सामने आया है। इस छापेमारी में आपूर्ति विभाग ने कुल 52 गैस सिलिंडर जब्त किए हैं। जैसे-जैसे वसई-विरार क्षेत्र में जनसंख्या बढ़ रही है, वैसे ही गैस सिलिंडरों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खासकर घरेलू गैस के साथ-साथ व्यावसायिक गैस सिलिंडर की भी मांग बढ़ी है, जिसका फायदा उठाकर कुछ लोग इन्हें ऊंचे दामों पर अवैध रूप से बेच रहे हैं, आपूर्ति विभाग को राजोडी स्थित सहारा जीवन केंद्र के सामने के एक तबेले में गैस सिलिंडरों के अवैध भरण की जानकारी मिली थी। विभाग ने छापेमारी की, जिसमें यह खुलासा हुआ कि घरेलू गैस को व्यावसायिक सिलिंडरों में भरकर कालाबाजार में बेचा जा रहा है, नालासोपारा की दो गैस एजेंसियों में डिलिवरी का काम करने वाले क्षत्रगुण वाघमोडे और अमोल हाके नामक दो कर्मचारियों ने 52 घरेलू सिलिंडर ग्राहकों को वितरित करने के लिए लिए थे, लेकिन उन्होंने यह सिलिंडर वितरित करने की बजाय, उनमें से गैस निकालकर व्यावसायिक सिलिंडरों में भर दी और उन्हें ऊंचे दामों पर बेचने की कोशिश की, इस कार्रवाई में कुल 6.33 लाख रुपए का माल जब्त किया गया है, जिसमें 52 गैस सिलिंडर, इलेक्ट्रिक वेटिंग मशीन, इलेक्ट्रिक मोटर, रबड़ की पाइप और एक पिकअप टेंपो शामिल है, इस मामले में अनार्ला सागरी पुलिस स्टेशन में बीएनएस अधिनियम 2023 की धारा 287 और 288, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 और 7 तथा एलपीजी (वितरण एवं आपूर्ति नियम) 2000 की धारा 3, 4, 5, 6 और 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय पाटील ने जानकारी दी कि मामले की जांच जारी है। डिलिवरी कर्मचारी मोटर और गैस पाइप की मदद से एक सिलिंडर से गैस निकालकर उसे दूसरे व्यावसायिक सिलिंडर में भरते थे। घरेलू गैस सिलिंडर (14.2 किग्रा) से गैस निकालकर 19 किग्रा के व्यावसायिक सिलिंडरों में भरकर बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था। इससे विस्फोट का गंभीर खतरा भी बना रहता है, लगातार बढ़ती गैस कीमतों से पहले ही आम जनता परेशान है। ऊपर से इस तरह के कालाबाजारी से ग्राहकों को और अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। गैस की मात्रा में हेराफेरी कर उसे ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। नागरिकों की मांग है कि ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए और दोषियों को कठोर सजा दी जाए। सूत्रों के अनुसार, गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी में मुख्यतः तीन पक्ष शामिल होते हैं-1. मुख्य वितरक, 2. ग्राहक और 3. गैस वितरक कर्मचारी, कुछ ग्राहक ऐसे भी होते हैं, जिनके नाम पर 3-4 सिलिंडर होते हैं, लेकिन वे सभी का उपयोग नहीं करते। ऐसे सिलिंडर वितरण कर्मियों द्वारा अवैध रूप से उठाकर बाजार में बेच देते हैं।

मुंबईकरों के लिए गुड न्यूज! सेंट्रल रेलवे ने गणपति स्पेशल ट्रेनों की लिस्ट जारी की

मुंबई और आसपास के इलाकों में रहने वाले कोंकणी लोगों के लिए खुशखबरी है। गौरी गणपति के लिए स्पेशल ट्रेन का इंतजार अब खत्म हो गया है। सेंट्रल रेलवे ने 250 गणपति स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। इन सभी स्पेशल ट्रेनों के लिए रिजर्वेशन 24 जुलाई से शुरू होंगे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई और आसपास के इलाकों में रहने वाले कोंकणी लोगों के लिए खुशखबरी है। गौरी गणपति के लिए स्पेशल ट्रेन का इंतजार अब खत्म हो गया है। सेंट्रल रेलवे ने 250 गणपति स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। इन सभी स्पेशल ट्रेनों के लिए रिजर्वेशन 24 जुलाई से शुरू होंगे। इसके साथ ही वेस्टर्न रेलवे ने भी 44 स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इससे मुंबई और विरार के बीच रहने वाले कोंकणी लोगों को फायदा होगा। इन ट्रेनों के लिए रिजर्वेशन जल्द ही शुरू होगा। पैसेंजर सेंट्रल रेलवे की वेबसाइट या ठळएर मोबाइल ऐप पर ट्रेनों की जानकारी ले सकते हैं। सेंट्रल रेलवे के अनुसार, कुछ प्रमुख ट्रेनें इस प्रकार हैंः ट्रेन नंबर 01151/2 उरटळ- सावंतवाड़ी रोड-उरटळ (रोज): यह ट्रेन 22 अगस्त से 10 सितंबर तक चलेगी।

पश्चिम रेलवे की ओर से मुंबई सेंट्रल ⇄ इंदौर के बीच सुपरफास्ट तेजस विशेष गाड़ी का संचालन

गाड़ी संख्या	आरंभिक स्टेशन एवं गंतव्य	सेवा की तिथि	प्रस्थान	आगमन
09085	मुंबई सेंट्रल – इंदौर	23.07.2025 से 29.08.2025 तक	23.20 बजे (सोम, बुध तथा शुक्र)	13.00 बजे (अगले दिन)
09086	इंदौर – मुंबई सेंट्रल	24.07.2025 से 30.08.2025 तक	17.00 बजे (मंगल, गुरु तथा शनि)	07.10 बजे (अगले दिन)
ठहराव : बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशन पर दोनों दिशाओं में.				
संयोजन : प्रथम एसी, एसी 2-टीयर तथा एसी-3 टीयर कोचेस.				

ठहराव, संयोजन और समय-सारिणी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

पीआरएस काउंटर्स पर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर **गाड़ी सं. 09085 तथा 09086** के लिए बुकिंग **21.07.2025** से शुरू होगी. उपरोक्त गाड़ी को विशेष किराए पर विशेष गाड़ी के तौर पर संचालित किया जाएगा.

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly

PLEASE CARRY ORIGINAL ID PROOF FOR ALL RESERVED TICKETS

मृतक जमील शेख की बेटियों ने मुख्यमंत्री और डॉ. जितेंद्र आव्हाड का व्यक्त किया आभार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राबोडी निवासी सामाजिक कार्यकर्ता जमील शेख की हत्या की पुनः जाँच के आदेश दिए हैं। डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने विधानसभा अधिवेशन में यह मुद्दा उठाया था। इसीलिए पुनः जाँच की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जमील शेख की बेटियों जोबिया और जायरा ने डॉ. जितेंद्र आव्हाड से उनके आवास पर मुलाकात कर आभार व्यक्त किया है। इन बेटियों ने कहा कि डॉ. जितेंद्र आव्हाड के हमारे लिए लड़ने से ही हमें न्याय मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने यह पत्र डॉ. जितेंद्र आव्हाड को सौंपा है और उनसे अनुरोध किया है कि वे मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें यह आभार पत्र दें। डॉ. जितेंद्र आव्हाड से मुलाकात के बाद, जोबिया और जायरा ने कहा कि डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने विधानसभा में हमारे लिए लड़ाई लड़ी। इसीलिए मुख्यमंत्री ने 18 जुलाई 2025 को विधानसभा में अपने भाषण में जमील शेख की हत्या की दोबारा जांच कराने की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि वह शेख परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और फडणवीस उचित जांच करके न्याय दिलाएंगे। इसके लिए हम, मेरी बहन और हमारी मां, इस मुद्दे को सामने लाने के लिए उनके और डॉ. जितेंद्र आव्हाड के बहुत आभारी हैं। हमें वैभवी संतोष देशमुख से लड़ने की प्रेरणा मिली है। मुख्यमंत्री ने हमारा आक्रोश देखकर दोबारा जांच कराने का फैसला किया और इसके लिए हम उनके ऋणी हैं, उन्होंने कहा, यह नई जांच और जांच अच्छे अधिकारियों को सौंपी जानी चाहिए, ताकि वे किसी के पक्षपात या दबाव में न आएं। क्योंकि पैसा और राजनीतिक दबाव बहुत कुछ करता है। अब, जिनके पास जांच का काम है, दिलीप पाटिल ने करोड़ों रुपये का गबन किया है। उन्होंने जांच को गुमराह किया है। वकील यह भी कह रहे हैं कि जाँच अधिकारी दिलीप पाटिल ने कई सबूतों को छोड़ दिया है और आरोपपत्र में ऐसी चीजें शामिल कर दी हैं जो आरोपियों की मदद करेंगी। लेकिन, हमें मुख्यमंत्री पर भरोसा है। इसलिए हमें पूरा विश्वास है कि वह न्याय करते हुए सही अधिकारियों को जाँच सौंपेंगे।

कर्मचारियों के लिए योग और नशामुक्ति शिविर आयोजित कर जन जागृत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार, 1 जुलाई से शुरू हुए 'सफाई अपनाओ - बीमारी भगाओ' अभियान के अंतर्गत, जनभागीदारी पर जोर देते हुए स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। हाल ही में, 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2024' में, नवी मुंबई शहर को देश के सबसे स्वच्छ शहरों के विशेष समूह, यानी 'सुपर स्वच्छ लीग' में सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर का दर्जा दिया गया है, जो पिछले कुछ वर्षों से लगातार शीर्ष 3 में बना हुआ है। यह रैंकिंग हमेशा प्राप्त होने वाली रैंकिंग से कहीं बेहतर सुपर क्लीन रैंकिंग है और इस उपलब्धि के कारण, नवी मुंबई में स्वच्छता कार्य को और अधिक प्रभावी ढंग से गति मिली है। तदनुसार, 'सफाई अपनाओ - बीमारी भगाओ' अभियान के तहत कार्यक्रम अब और अधिक उत्साह के साथ आयोजित किए जा रहे हैं ऐसी ही एक पहल ऐरोली सेक्टर 3 स्थित संभागीय कार्यालय के निकट सामुदायिक भवन में स्वच्छतादूत योग शिविर के रूप में आयोजित की गई। ऐरोली संभाग के सहायक आयुक्त श्री सुनील कथोले और मुख्य स्वच्छता अधिकारी श्री राजेंद्र इंगले की पहल पर ईएचएस शिक्षा फाउंडेशन नामक एक गैर सरकारी संगठन के माध्यम से आयोजित इस योग शिविर में ऐरोली संभाग के बड़ी संख्या में स्वच्छतामित्रों और स्वच्छता सखियों ने भाग लिया। योग साधक गवनेसर ने मानसिक तनाव और योग चिकित्सा का संयोजन करते हुए दैनिक जीवन में योगाभ्यास के महत्व को समझाया और सरल योग आसन करवाए तथा स्वास्थ्य रखरखाव की दृष्टि से प्रतिदिन कुछ समय निकालकर नियमित रूप से योग करने का आह्वान किया। इसी प्रकार, बेलापुर संभाग में सहायक आयुक्त डॉ. अमोल पालवे और स्वच्छता अधिकारी श्री नरेश अंधेर के माध्यम से सफाई कर्मचारियों के लिए व्यसन मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। कई उदाहरण देकर सफाई कर्मचारियों में व्यसनों के प्रति जागरूकता पैदा की गई और उन्हें समझाया गया कि कोई भी व्यसन उनके स्वयं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है और उनके परिवार को भी नुकसान पहुँचाता है। इस अवसर पर सर्वोदय लघु वित्त बैंक के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि से सफाई कर्मचारियों को रेनकोट वितरित किए गए। इस अवसर पर सुभाष गवारिकर, जगदीश खेरोडकर, भगवान पाटिल, अभिषेक कल्याणी, प्रसाद साखरकर, त्रिशा दुवा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। नेरुल संभाग में सहायक आयुक्त जयंत जावड़ेकर और स्वच्छता अधिकारी अरुण पाटिल के माध्यम से डॉ. डी.वाई. पाटिल स्टेडियम के सामने सर्विस रोड पर गहन सफाई अभियान चलाया गया। इसमें स्टर्लिंग कॉलेज की एनसीसी इकाई के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर, वहाँ के वृक्ष क्षेत्र में उचित स्थान पर देशी पौधे रोपे गए।

फास्ट ट्रैक

ये तो बस अंगड़ाई है, और लड़ाई बाकी है - डॉ. जितेंद्र आव्हाड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे, मृतक जमील शेख की बेटियां जारा और जोबिया ने डॉ. जितेंद्र आव्हाड को शेख परिवार की लड़ाई विधानसभा में लड़ने के लिए गुलदस्ता देने की कोशिश की। हालाँकि, ₹ये तो बस अंगड़ाई है, और लड़ाई बाकी है₹ कहकर डॉ. आव्हाड ने कहा कि गुलदस्ता क्यों दे रहे हो, हमें अभी बहुत लड़ना है। उन्होंने कहा कि जमील शेख हत्याकांड का मामला खुला है। लेकिन, मैं शत-प्रतिशत कहता हूँ कि पुलिस ने इस मामले की जाँच ठीक से नहीं की। जमील पर 2014 में हमला हुआ था; उस समय उन्होंने कहा था कि हमले के पीछे ₹आका₹ का हाथ है। लेकिन तब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। हत्या को पाँच साल हो गए हैं। लेकिन, मुख्य आका को गिरफ्तार नहीं किया गया है। हत्यारे इरफान ने आका का नाम लिया था। ओसामा ने भी आका का नाम लिया था। ओसामा ने बैदनाथ और देवेंद्र को पहली सुपारी दी थी। उन्होंने आका का नाम भी लिया है। इसके अलावा, ओसामा का एक वीडियो भी है। मैंने भी पाँच साल तक इस परिवार की कोई मदद नहीं की; लेकिन मैंने जमील की बेटियों को देखा, जमील की पत्नी ने रोते हुए मुझसे कहा कि मुझे पैसे नहीं, न्याय चाहिए। उसके बाद मैंने यह मामला विधानसभा में उठाया। मुख्यमंत्री फडणवीस हमारे वैचारिक विरोधी हैं। लेकिन, मुझे भी विश्वास था कि वे न्याय देंगे इस मामले में, पिछले पुलिस अधिकारी ठाकरे ने अच्छी जाँच की थी। लेकिन, उनका तबादला कर दिया गया, तबादले का दर्जा आका ने रखा था। जो भी ठीक से जाँच करेगा, उसका तबादला कर दिया जाएगा, यह दर्जा सिर्फ.इसी धमकी के लिए था। नतीजतन, किसी ने जाँच करने की हिम्मत नहीं की। अब उम्मीद सिर्फ.फडणवीस से है। क्योंकि उन्होंने बेटियों के रोने का ज़िक्र किया है। यह उनके अंदर के पिता की गर्मजोशी को दर्शाता है। फिर भी, मुख्यमंत्री से मेरी यही विनती है कि जाँच एक व्यक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि तीन लोगों की टीम के हाथ में होनी चाहिए, यह बात डॉ. आव्हाड ने कहा है।

महाराष्ट्र को द्रौपदी बनाकर जुए के खेल में झोंक दिया गया है : डॉ. जितेंद्र आव्हाड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विधानमंडल लोकतंत्र का मंदिर है लेकिन, इसकी पवित्रता को नष्ट कर दिया गया है। एक विधायक पाँच गुंडों के साथ आता है; मारपीट करता है। मारपीट करने वाले पाँच लोग होते हैं और केवल एक के खिलाफ मामला दर्ज होता है। मार खाने वालों को ही अपराधी माना जाता है। अब, फसल की गारंटी मांगने वालों को रमी दिखाई जाती है। वही रमी जुआ जिसके कारण युवाओं ने आत्महत्या की। वही जुआ विधानसभा में खेला जा रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और विधायक दल के नेता डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि महाराष्ट्र को द्रौपदी बनाकर जुए के खेल में झोंक दिया गया है। कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे का विधानसभा में रमी खेलते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। विधायक जितेंद्र आव्हाड ने इन सभी बातों पर कड़ा प्रहार किया है। जितेंद्र आव्हाड ने एक्स हैंडल से ट्वीट कर कोकाटे पर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने तीखी टिप्पणी की है, 'किसानों, गारंटी भूलो, रमी खेलो।' उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल ने विधानमंडल की पवित्रता को बनाए न रखने की योजना बनाई है। सत्ताधारी दल का एक विधायक शरद पवार, उद्धव ठाकरे, जयंत पाटिल की बहुत ही निम्न स्तर पर आलोचना करता है। वह बालासाहेब ठाकरे को सूयार्जी पिसाल कहता है, फिर भी, उसके वरिष्ठ उसे रोकते नहीं हैं। इसीलिए यह विधायक गुंडे के साथ विधानमंडल में आकर मारपीट कर सकता है। अगर मैं उस समय वहां होता, तो मुझ पर भी यह कानून लगाया जाता। उस समय मकोका और डकैती में पांच गुंडे शामिल थे। उनके नाम भी दिए गए हैं। हालाँकि, केवल एक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मैं अध्यक्ष से अपील करता हूं कि जिस तरह मृतक की हत्या करने वाले को गिरफ्तार किया गया था, उसी तरह उसे मारने वाले अन्य चार गुंडों और उन्हें चेतावनी देने वाले गुंडों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? इसीलिए मैंने सदन में खेद व्यक्त नहीं किया। मैंने कहा कि मुझे खेद है; अगर मैं गलत था, तो मैं गेटवे ऑफ इंडिया के सामने राज्य से माफी मांगने के लिए तैयार हूं। लेकिन, मैं उस गलती के लिए माफी नहीं मांगूंगा जो मैंने नहीं की। नितिन देशमुख मेरे कार्यकर्ता हैं। इसके लिए मैं और रोहित पवार सड़कों पर उतरे थे और अपनी बात रखी थी। उस समय पुलिस ने हमें तीन घंटे तक इधर-उधर नचाया, यह बात डॉ. आव्हाड ने कहा है। माणिकराव कोकाटे को जुए के मामले में इस्तीफा दे देना चाहिए था। लेकिन, यह स्वीकार नहीं किया जा रहा है। जिस ऑनलाइन रमी के कारण युवक ने आत्महत्या की, वह रमी योजना प्रस्तावित की जा रही है। ऐसी योजना प्रस्तावित करने वाले धन्य हैं, डॉ. आव्हाड ने यह भी कहा है।

अद्विका उन्नति फाउंडेशन ने महात्मा गांधी विद्यालय अंबरनाथ को 4 कंप्यूटर और 2 लैपटॉप भेंट किए

विद्यालय के छात्र लक्ष्य केंद्रित अध्ययन द्वारा अपने सुनहरे भविष्य का निर्माण करें - रविन्द्र सबनीस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम स्थित शिक्षा के प्रसिद्ध केंद्र महात्मा गांधी विद्यालय में अद्विका उन्नति फाउंडेशन के संस्थापक रवींद्र सबनीस (सेवानिवृत्त अतिरिक्त आयुक्त, आयकर विभाग) द्वारा विद्यालय को 04 कंप्यूटर और 02 लैपटॉप भेंट किए गए। विद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इक्षित सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य का निर्धारण करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। जिस तरह महाभारतकाल में अर्जुन तीर चलाते समय केवल चिड़िया की आँख को ही देख कर निशाना साधते थे और उन्हें उसके आसपास और कुछ नजर नहीं आता था, उसी प्रकार आपको भी अपने सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए पूर्ण एकाग्रता से लक्ष्य निर्धारित अध्ययन करना जरूरी है तभी आपको सफलता मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि वे भविष्य में भी विद्यालय के विकास में सहयोग करते रहेंगे। सी.ए.अपूर्व गुप्ते ने कहा कि वे विद्यालय के छात्रों को वाणिज्य विषय में उच्च शिक्षा के लिए मार्गदर्शन करेंगे और अपनी तरफ से हर संभव मदद करेंगे। विद्यालय के उप-प्राचार्य अतुल कुसुम्बे ने अतिथियों का शॉल, श्रीफल और पुस्तकें भेंट करके स्वागत किया। इस अवसर पर अद्विका उन्नति फाउंडेशन के सी.ए.आदित्य लोदया, माधुरी नंदवानी, तृप्ति मोराडे, संजय धनगत, प्राचार्य माधुरी जाधव, विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित थे।

भिवंडी में प्रो.रशीद अशरफ खान के सम्मान में आयोजित हुई काव्य संध्या

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , यशवंत राव चौहान महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय नासिक के सहायक प्रोफेसर डॉ. रशीद अशरफ खान के भिवंडी आगमन पर, अल-हमद एजुकेशन सोसाइटी द्वारा अल-हमद हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, भिवंडी परिसर में उनके सम्मान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया। प्रख्यात शायर एवं हासय व्यंग लेखक मोहम्मद रफी अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित काव्य संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में रेयाजुद्दीन खान एवं प्रिन्सिपल जियाउर्रहमान अंसारी उपस्थित थे। विशेष अतिथि के रूप में मुहम्मद हुसेन खान, तारिक खान, अबदुल हसीब जामयी, अबू जर खान, अबू ओमामा शेख मुखलिस मदू आदि उपस्थित थे। प्रिंसिपल ज़िया-उर-रहमान अंसारी ने उद्घाटन भाषण प्रस्तुत किया। काव्य संध्या कार्यक्रम में जिन शायरों ने अपनी शायरी पेश की उनमें जाहिर बस्तवी, अमीर हमजा हलबे, शकील अहमद शकील, अब्दुल वहाब कमर, नदीम फाजली, ऐनुद्दीन आजिम आदि प्रमुख थे। इस अवसर पर डॉ. रशीद अशरफ खान ने भी अपनी शायरी से दर्शकों का मनोरंजन किया। जफर आलम जामई ने कार्यक्रम का सुचारु रूप से संचालन का दायित्व निभाया। रेयाजुद्दीन खान (सचिव, अल-हम्द एजुकेशन सोसाइटी) ने सभी अतिथियों, शायरों और श्रोताओं का हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक अब्दुल अजीज अंसारी ने काव्य संध्या कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपने नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया तथा उपस्थित अतिथियों, कवियों, गणमान्य व्यक्तियों और श्रोताओ के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अल-हम्द हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के सभी शिक्षकों, सह शिक्षको एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग शामिल रहा। सत्र का समापन शानदार रात्रिभोज के साथ हुआ।

कुत्ते के बच्चे को रस्सी से बांधकर पीटा

- शाहजहांपुर में स्थानीय लोगों ने नदी में फेंकने से बचाया, जमकर हुई बहसबाजी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना सदर बाजार क्षेत्र में एक युवक द्वारा कुत्ते के बच्चे के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है। हददफ चौकी मोहल्ले में एक युवक ने अपने मकान के बाहर बैठने वाले कुत्ते के बच्चे को रस्सी से बांधकर पीटा। युवक कुत्ते के बच्चे को नदी में फेंकने की कोशिश कर रहा था। कुत्ते के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने युवक को रोका और कुत्ते के बच्चे को बचा लिया। इस दौरान युवक और स्थानीय लोगों के बीच तीखी बहस हुई। युवक ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उसे डर था कि कुत्ता उसके घर के बच्चों को काट सकता है। इसलिए वह उसे रस्सी बांधकर दूसरी जगह छोड़ने की योजना बना रहा था। किसी ने पीएफए (पीपल फॉर एनिमल्स) टीम को सूचित किया। टीम ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को बुलाया। पुलिस युवक को थाने ले गई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। सीओ सिटी पंकज पंत ने कहा कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। वे एसएचओ से संपर्क कर मामले की जानकारी ले रहे हैं। वहीं जब सदर थाना प्रभारी अरविंद सिंह चौहान से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

पूर्व विधायक और पुलिस आमने-सामने, सपाइयों की नोकझोंक

बोले- बहू की जमीन पर कबाड़ वाहन डाले गए, बीजेपी छोड़ने पर उत्पीड़न हो रहा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा ने निगोही पुलिस पर अपनी बहू की जमीन पर अवैध कब्जा कर कबाड़ भरने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया। इसमें क्रेन से कबाड़ वाहनों को थाने से निकालकर दूसरी जगह डालते देखा जा रहा है। सपा का प्रतिनिधिमंडल निगोही पहुंचा। यहां पुलिस से सपाइयों और पूर्व विधायक की नोकझोंक भी हुई। पूर्व विधायक ने कहा- जब से भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए। तब से उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय भाजपा विधायक और जिले एक बड़े नेता के इशारे पर कार्रवाई का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उतना उत्पीड़न करो, जितना बाद में झेल सको। वहीं पुलिस का कहना है कि जमीन की नाप कराई गई थी। जमीन सरकारी संपत्ति और पुलिस विभाग की है। एसपी ने कहा कि शिकायत मिलेगी तो उसकी जांच कराई जाएगी। निगोही थाने के सामने पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा की पुत्रवधु का आवास है। करीब 8 साल पहले बीमारी से उनके बेटे विनोद वर्मा की मौत हो गई थी। पूर्व विधायक के अनुसार, शनिवार रात पुलिस ने क्रेन से थाने के अंदर कबाड़ के वाहनों को उनकी बहू के मकान के बाहर भर दिया। मकान के पास पुलिस ने नाप कराने के बाद तार भी लगा दिए थे। पुलिस उस जमीन को अपना तो पूर्व विधायक उस जमीन को अपना बता रहे हैं। कबाड़ भरते वीडियो बनाकर पूर्व विधायक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। रविवार को सपा का प्रतिनिधिमंडल उनके घर पहुंचा। यहां उनकी पुलिस से जमकर नोकझोंक भी हुई। उन्होंने कहा- हम बड़े अफसरों से इसकी शिकायत करेंगे। इसके बाद सपा नेता मौके से चले गए। इससे पहले भी पूर्व विधायक की पुत्रवधु के मकान का कुछ हिस्सा अवैध बताकर कार्रवाई की जा चुकी है। पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा ने कहा- हम समाजवादी पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता और लोधी समाज से हैं। इससे पहले भी गाटा संख्या 335 मेरी पुत्रवधु के नाम है। 10 से 15 साल पहले वहां पर बिल्डिंग और मार्केट बनी थी। मेरे चुनाव हारने के बाद किसी ने गलत तरीके से पट्टा करा दिया था।

वाट्सएप पर आरटीओ चालान का लिंक खोला

शाहजहांपुर में युवक के खाते से 93 हजार रुपये गायब, साइबर ठगी का मामला दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, साइबर ठगों ने एक युवक से 93 हजार रुपये की ठगी कर ली। आवास विकास कालोनी निवासी सुभाष चंद्र को 13 जुलाई की रात सीतापुर के राजीव आनंद ने वाट्सएप पर एक लिंक भेजा। यह लिंक एपीके आरटीओ चालान के नाम से था। सुभाष ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल हैक हो गया। अगले दिन 14 जुलाई को उनके एचडीएफसी बैंक खाते से पहले 82,672 रुपये और फिर 11,530 रुपये निकाल लिए गए। बैंक से मैसेज आने पर उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। सुभाष ने तुरंत अपने खाते में बचे हुए पैसे पीएनबी अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए। उन्होंने एचडीएफसी बैंक के टोल फ्री नंबर पर कॉल करके अपना खाता ब्लॉक करवाया और शिकायत दर्ज कराई। साथ ही साइबर क्राइम में भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। सदर बाजार पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

धर्मांतरण के लिए सभा में पत्थरबाजी का आरोप

3 लाख रुपये का लालच, हिंदू देवी-देवताओं पर अपशब्द; पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना आरसी मिशन क्षेत्र में धर्मांतरण को लेकर विवाद हो गया। एक मकान में करीब 60-65 लोगों की सभा चल रही थी। दीवार पर ईसा मसीह की तस्वीरें लगी थीं। दर्ज एफआईआर के अनुसार, सभा में एक व्यक्ति बाइबिल लेकर आया, जिसे सभी फादर कह रहे थे। वह हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहा था। धर्मांतरण के लिए तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता का प्रलोभन दिया जा रहा था। मोहल्ला अहमदपुर के लखन और शिवम को 19 जुलाई को इस सभा की जानकारी मिली। वे वहां पहुंचे तो देखा कि फादर हिंदू देवी-देवताओं के लिए अपशब्द बोल रहा था। एक महिला भी उसके साथ थी। वे लोगों को बता रहे थे कि ईसाई धर्म अपनाने से उनकी सभी समस्याएं और बीमारियां दूर हो जाएंगी। इस बीच मकान के बाहर लोग इकट्ठा हो गए। वे धर्मांतरण बंद करने की मांग करने लगे। सभा में मौजूद लोगों ने विरोध कर रहे लोगों पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इससे कुछ लोग घायल हो गए। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि दो अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सीओ सिटी के पंकज पंत के अनुसार, मामले की जांच की जा रही हैं।

रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य का निरीक्षण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के लिए सांसद अरुण सागर ने डीआरएम मुरादाबाद के साथ निरीक्षण किया। सांसद ने स्टेशन के विकास से जुड़े 29 बिंदुओं पर जवाब मांगे हैं। डीआरएम और रेलवे अधिकारियों ने सांसद को आश्वासन दिया कि सितंबर 2026 तक सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। स्टेशन पर चार एस्केलेटर, दस लिफ्ट और दो बड़े आरओवी का निर्माण किया जाएगा। सांसद ने कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अधिकारी वेतन लेते हैं, लेकिन जनता को जवाब उन्हें देना होता है। इससे पहले उन्होंने रेलवे बोर्ड चेयरमैन से मिलकर कार्य में लापरवाही की शिकायत की थी। डीआरएम ने कहा कि स्टेशन पर यात्रियों की संख्या अधिक है। उनकी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य किया जाएगा। सांसद ने आश्वासन दिया कि बजट की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने योजना में रेलवे स्टेशन को शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार भी जताया। सांसद ने कहा कि अभी देखा जा रहा है

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

सऊदी अरब के स्लीपिंग प्रिंस का निधन

20 साल से कोमा में थे; 15 साल की उम्र में लंदन में हुआ था एक्सीडेंट

एजेंसी

रियाद, सऊदी अरब के प्रिंस अल वलीद बिन खालिद बिन तलाल अल सऊद का शनिवार को निधन हो गया। वे पिछले 20 साल से कोमा में थे। उन्हें स्लीपिंग प्रिंस (सोते हुए राजकुमार) के नाम से जाना जाता था। प्रिंस अल वलीद सऊदी अरब के राजपरिवार के वरिष्ठ सदस्य प्रिंस खालिद बिन तलाल के बेटे और अरबपति प्रिंस अल वलीद बिन तलाल के भतीजे थे। उनका जन्म अप्रैल 1990 में हुआ था। साल 2005 में, लंदन में मिलिट्री ट्रेनिंग के दौरान उनका भयानक सड़क हादसा हुआ। इस एक्सीडेंट में उन्हें गंभीर ब्रेन इंजरी और इंटरनल ब्लीडिंग हुई।

इसके बाद से वे कोमा में चले गए। सऊदी सरकार ने प्रिंस के इलाज के लिए अमेरिका और स्पेन से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बुलाई।

हालांकि वे कभी पूरी तरह होश में नहीं आए।

बीच-बीच में उनके शरीर में हलचल दिखती थी, जिससे परिवार को उम्मीद बंधती रही। डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल रूप से अचेत और बिना होश वाला घोषित कर दिया था। उनके पिता प्रिंस खालिद ने इलाज बंद कराने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद से ही उन्हें रियाद के महल में एक स्पेशल रूम में रखा गया था।

यहां 24 घंटे डॉक्टर, नर्स और मेडिकल सपोर्ट मौजूद रहता था। प्रिंस अल वलीद की हालत पर समय-समय पर वीडियो सामने आते थे। इनमें उनके हाथ या पलकों की हलचल देखी जाती थी।

इससे लोगों को उम्मीद बंधती थी कि शायद एक दिन वे होश में आ जाएं। सोशल मीडिया पर उन्हें लेकर स्लीपिंग प्रिंस जैसे हैशटैग ट्रेंड करते थे।

रूस के प्रशांत अपतटीय क्षेत्र में दो बार भूकंप आने के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई

एजेंसी

प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने रविवार को समुद्र में दो बार भूकंप आने के बाद रूस के कामचातका प्रायद्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। इनमें से एक भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई। बड़े भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर के 144 किलोमीटर पूर्व में 20 किलोमीटर की गहराई में था।

शहर की आबादी1,80,000 है। इससे कुछ मिनट पहले नजदीकी इलाके में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर डैम बनाना शुरू किया

इंडियन बॉर्डर के पास यह दुनिया का सबसे बड़ा बांध; अरुणाचल सीएम बोले थे- ये वाटर बम

एजेंसी

बीजिंग, चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी (चीन में यारलुंग सांगपो) पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम बनाना शुरू कर दिया है। शनिवार को चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग ने इसकी शुरूआत की। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, इस डैम प्रोजेक्ट को बीजिंग ने दिसंबर 2024 में मंजूरी दी थी। ये बांध चीन के न्यिंगची शहर में बनाया जा रहा है। इसकी कुल लागत करीब 167.8 अरब डॉलर (लगभग 12 लाख करोड़ रुपए) बताई गई है। यह डैम अरुणाचल प्रदेश की सीमा से सटे न्यिंगची शहर में बनाया जा रहा है। इसे लेकर भारत और बांग्लादेश दोनों ने

गहरी चिंता जताई है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस बांध को भारत के लिए वाटर बम बताया था। करीब 2900 किलोमीटर लंबी ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय के उस पार तिब्बत के पठार पर 2057 किलोमीटर दूर तक पश्चिम की ओर बहती है और उसके बाद अरुणाचल प्रदेश से होकर भारत में प्रवेश करती है। भारत के बाद ये बांग्लादेश में जाती है और फिर बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है, लेकिन भारत में प्रवेश से ठीक पहले ये नदी एक यू टर्न लेती है। यही वो इलाका है जहां चीन दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम बना रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसी साल 3 जनवरी को एक प्रेस ब्रीफिंग में इस बांध को लेकर आपत्ति जताई थी। भारत ने कहा था कि ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाने से निचले राज्यों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक परियोजना में पांच सीढ़ीदार (कैस्केड) हाइड्रोपावर स्टेशन शामिल होंगे। ये डैम साल भर में 300 अरब यूनिट (किलोवाट-घंटे) से अधिक बिजली बनाएगा। इस बिजली से 30 करोड़ लोगों की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। भारत भी अरुणाचल प्रदेश में इसी नदी पर एक बड़ा डैम बना रहा है।

ब्रह्मपुत्र और सतलुज पर जल-प्रवाह डेटा को लेकर भारत-चीन के बीच 2006 से एक्सपर्ट लेवल मैकेनिज्म (ईएलएम) चल रहा है। पिछले साल दिसंबर में एनएसए अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत में भी यह मुद्दा उठा था।

2015 में चीन ने तिब्बत में 1.5 अरब डॉलर की लागत वाला जम हाइड्रोपावर स्टेशन शुरू किया था।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने रैली निकाली

राजधानी ढाका में शक्ति प्रदर्शन किया; यूनुस सरकार से निष्पक्ष चुनाव की मांग की

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी जमात-ए- इस्लामी ने शनिवार को राजधानी ढाका में विशाल रैली कर अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। इस रैली में लाखों समर्थक जुटे। माना जा रहा है कि यह प्रदर्शन अगले साल होने वाले आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। जमाते इस्लामी ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह शनिवार को 10 लाख लोगों को जुटाएगी। शुक्रवार रात से ही हजारों समर्थक ढाका यूनिवर्सिटी कैंपस में डटे रहे। शनिवार सुबह वे ऐतिहासिक सुवर्रवर्दी उद्यान के लिए रवाना हुए। यह वही जगह है जहां 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। 66 वर्षीय पार्टी प्रमुख शफीकुर रहमान ने भाषण के दौरान दो बार बेहोश हो गए। उन्हें बाद में जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। यह पहला मौका है जब 1971 के बाद जमाते इस्लामी को सुवर्रवर्दी उद्यान में रैली की इजाजत मिली। माना जा रहा है कि यूनुस सरकार इस्लामी ताकतों को बढ़ावा दे रही है और लिबरल पार्टियों का प्रभाव घट रहा है। जमाते इस्लामी 300 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है और बीएनपी समेत अन्य इस्लामी पार्टियों के साथ गठबंधन बनाने की कोशिश कर रही है। 2001-2006 में बीएनपी सरकार

में जमात के दो मंत्री भी थे। पूर्व प्रधानमंत्री हसीना की पार्टी अवामी लीग ने इस फैसले की तीखी आलोचना की। पार्टी ने इसे राष्ट्र की अंतरात्मा के साथ विश्वासघात बताया और कहा कि यह 1971 के शहीदों का अपमान है। बांग्लादेश में पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए थे। भीड़ ने 5 अगस्त, 2024 को तत्कालीन प्रधानमंत्री, 77 साल शेख हसीना के आवास पर हमला कर दिया था। भीड़ के पहुंचने से पहले हसीना बांग्लादेश से भागकर भारत आ गई थीं। वे तब से भारत में रह रही हैं। इसी के साथ बांग्लादेश में अवामी लीग की 20 साल पुरानी सरकार भी गिर गई। इसके बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार की स्थापना की गई। हसीना के खिलाफ देशभर में छात्र कोटा सिस्टम को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

दरअसल, बांग्लादेश में 5 जून, 2024 को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। लेकिन हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था। इसके बाद छात्र उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

साउथ कोरिया में बारिश से बाढ़-लैंडस्लाइड, 14 की मौत

12 लापता, सड़कें-इमारतें डूबी, गांव मलबे में दबा; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

एजेंसी

सियोल, साउथ कोरिया में बुधवार से भारी बारिश हो रही है। बारिश से आई बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण 14 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 12 लोग अभी भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन कार्यालय के मुताबिक मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। साउथ कोरिया के गैप्योंग शहर में लैंडस्लाइड से प्रभावित लोग राहत शिविरों में पहुंच रहे हैं। वहीं, चुंगचेओंग इलाके में

एक गांव पूरी तरह मलबे में दब गया। सबसे ज्यादा नुकसान दक्षिणी क्षेत्र सांचेओंग में हुआ, जहां छह लोगों की मौत हुई और सात लोग लापता हैं। सांचेओंग में 793.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से कहीं ज्यादा है। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने प्रभावित क्षेत्रों को विशेष आपदा क्षेत्र घोषित किया है। सरकार ने लोगों का रेस्क्यू शुरू किए हैं। स्थानीय प्रशासन ने सभी निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए अलर्ट जारी किया। बाढ़ में 388 सड़कें डूब गईं, कई इमारतें तबाह हो गई। खेतों को नुकसान पहुंचा और कई मवेशी भी मारे गए। बारिश के बाद करीब 10 हजार लोग अपने घरों से निकाले गए और 41 हजार से ज्यादा घरों की बिजली अस्थायी रूप से चली गई।

दक्षिण कोरिया में आमतौर पर जुलाई में मानसून की बारिश होती है और आमतौर पर इसकी पूरी तैयारी रहती है। लेकिन इस हफ्ते देश के दक्षिणी इलाकों में तेज बारिश हुई, और आधिकारिक मौसम आंकड़ों के अनुसार, कुछ जगहों पर रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई।

पुलिस के हत्थे चढ़ा मुख्य आरोपी तौसीफ, साजिश में शामिल पांच गिरफ्तार

एजेंसी

बिहार पुलिस को चंदन मिश्रा हत्याकांड में एक बडी सफलता मिली है। पटना के एक अस्पताल में पैरोल पर बाहर आए चंदन मिश्रा की हत्या के मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया है। बिहार पुलिस ने कोलकाता पुलिस और कोलकाता साथ एक संयुक्त अभियान चलाकर यह गिरफ्तारी की। तौसीफ के साथ निशु खान और दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है।इस सप्ताह की शुरूआत में हुई इस सनसनीखेज हत्या के बाद तौसीफ का नाम मुख्य संदिग्ध के रूप में सामने आया था। सूत्रों के अनुसार, घटना को अंजाम देने के बाद तौसीफ कथित तौर पर पश्चिम बंगाल भाग गया था और कोलकाता के आनंदपुर इलाके में छिपा हुआ था, जहां से कोलकाता स्पेशल टास्क फोर्स ने उसे धर दबोचा। यह भी बताया जा रहा है कि उसके लकवाग्रस्त भाई के पैर में भी गोली लगी थी। तौसीफ को कोलकाता की एक अदालत में पेश किया जाएगा और कानूनी प्रक्रिया के तहत ट्रांजिट रिमांड पर पटना लाया जाएगा। इस बीच, तीन और संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया, 'प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि हत्या की पूरी साजिश

चंदन मिश्रा हत्याकांड में मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसके साथ चार अन्य संदिग्ध भी पकड़े गए हैं। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि इस जघन्य हत्या की पूरी साजिश निशु खान के घर पर रची गई थी और तौसीफ ने ही इसे अंजाम दिया।

गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में से एक निशु खान के घर पर रची गई थी। इस जघन्य अपराध को मुख्य रूप से तौसीफ ने अंजाम दिया। अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ जारी है ताकि इस मामले की सभी कडियां जोडी जा सकें।' सीसीटीवी फुटेज और सूत्रों के अनुसार, हमले से कुछ मिनट पहले एक निगरानी वीडियो में तौसीफ कथित तौर पर सुबह 7:13 बजे अस्पताल के बाहर आता हुआ दिखा। उसके साथ एक हेलमेट पहने व्यक्ति भी था जिसके पास एक बैग था। इसके तुरंत बाद, चार अन्य लोग, सभी टोपी पहने हुए, उसके साथ आ जाते हैं, और तौसीफ द्वारा उन्हें अस्पताल के अंदर ले जाने से पहले वे कुछ देर तक एक-दूसरे से लिपटे रहते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'इस ऑपरेशन में कम से कम छह लोगों के सीधे तौर पर शामिल होने का संदेह है। तौसीफ समेत उनमें से पांच, जिनके पास हथियार थे

यूपीआई क्रांति: जून में 18 अरब से अधिक लेनदेन, भारत दुनिया भर में अग्रणी देश बना

भारत में 49.1 करोड़ व्यक्ति और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं, जो 675 बैंकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ती है.

प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने रविवार को अपनी बैकग्राउंडर्स सीरीज में कहा कि इस बदलाव ने नकद और कार्ड-आधारित भुगतान को कम दिया है और भारत डिजिटल-प्रथम अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है. लाखों व्यक्ति और छोटे व्यवसाय अब सुरक्षित और कम लागत वाले लेनदेन के लिए यूपीआई पर निर्भर हैं. भुगतान को त्वरित और सुलभ बनाकर, यूपीआई वित्तीय समावेशन का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है.

एजेंसी

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा हाल ही में जारी नोट 'ग्रोइंग रिटेल डिजिटल पेमेंट्स: वैल्यू ऑफ इंटरऑपरेबिलिटी' के अनुसार, भारत फास्ट पेमेंट में दुनिया भर में अग्रणी देश के रूप में उभरा है.इस बदलाव का मूल आधार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (वढक) है. भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने 2016 में वढक को लॉन्च किया था. इसने देश में लोगों के पैसे भेजने और प्राप्त करने के तरीके को बदल दिया है. यूपीआई आपके बैंक खातों को मोबाइल ऐप में जोड़ता है. आप बस कुछ ही टैप से तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं, व्यापारियों को भुगतान कर सकते हैं, या दोस्तों को पैसे भेज सकते हैं. यूपीआई की बड़ी खासियत इसकी तेज गति और इस्तेमाल में आसानी है. वर्तमान में यूपीआई भारत में हर महीने 18 अरब से अधिक लेनदेन करता है. अकेले जून में ही यूपीआई से 24.03 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान और 18.39 अरब लेनदेन दर्ज किया गया. पिछले साल इसी महीने में यूपीआई ट्रांजैक्शन 13.88 अरब था. यानी सिर्फ एक साल में यूपीआई ट्रांजैक्शन में लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. वर्तमान में 49.1 करोड़ व्यक्ति और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं. यह 675 बैंकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ती है, जिससे लोग बिना किसी चिंता के आसानी से भुगतान कर सकते हैं, चाहे किस भी बैंक में उनका अकाउंट हो. भारत में सभी डिजिटल लेनदेन में यूपीआई का योगदान 85 प्रतिशत है. देश के बाहर भी इसका इस्तेमाल हो रहा है और ग्लोबल रीयल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स का लगभग 50 प्रतिशत लेनदेन यूपीआई से होता है. पीआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है, श्ये आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं हैं. ये विश्वास, सुविधा और गति को दशार्ते हैं. हर महीने, अधिक से अधिक व्यक्ति और व्यवसाय अपने भुगतान के लिए यूपीआई का चयन कर रहे हैं. इसका बढ़ता उपयोग इस बात का मजबूत संकेत है कि भारत नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रहा है. यूपीआई का इस्तेमाल संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस में पहले से हो रहा है.फ्रांस यूपीआई सिस्टम को अपनाने वाला पहला यूरोपीय देश है. इससे वहां यात्रा करने वाले या रहने वाले भारतीयों को विदेशी लेनदेन की सामान्य परेशानियों के बिना सहजता से भुगतान करने की सुविधा मिलती है. पीआईबी के अनुसार, भारत यूपीआई को ब्रिक्स समूह के भीतर एक मानक बनाने पर भी जोर दे रहा है.

केशव मौर्य का राहुल गांधी पर हमला

कहा- ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा है। केशव मौर्य ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा लोकसभा में विपक्ष के हल्के नेता श्री राहुल गांधी को भारत की चिंता कम, पाकिस्तान की फि क्र ज्यादा रहती है। तभी, ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा है। उन्होंने पोस्ट में कहा भारतीय सेना का बार-बार अपमान कांग्रेस इसलिए करती है, ताकि पड़ोसी भाईजान पाकिस्तान को खुश किया जा सके।केशव मौर्य ने कहा, दरअसल, सत्ता की बेदखली ने कांग्रेस की मति मार दी है, इसलिए वह दुनिया के ऐसे भ्रमित नेताओं की ओट (आड़) लेने को मजबूर है जो अपने बयानों पर स्थिर नहीं रहते हैं। अपने गांधी जी की तरह वह भी अस्थिर चित्त वाले हैं।

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला: पुलिस के आरोपपत्र में पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी का नाम, कहा- खूब ली रिश्वत

पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नाम आंध्र प्रदेश पुलिस की ओर से रिश्वत प्राप्तकर्ता के तौर पर किया गया है . अदालत ने अभी तक आरोपपत्र पर संज्ञान नहीं लिया है .

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला: पुलिस के आरोपपत्र में पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी का नाम, कहा- खूब ली रिश्वत

एजेंसी

आंध्र प्रदेश पुलिस की ओर से 3,500 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत में दायर आरोप पत्र में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नाम का उल्लेख रिश्वत प्राप्तकर्ता के तौर पर किया गया है. आरोप पत्र के अनुसार, उन्हें हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपये तक की रिश्वत मिली.

पुलिस की ओर से दायर आरोपपत्र

हालांकि, शनिवार (20 जुलाई, 2025) को दायर 305 पृष्ठों के आरोपपत्र में जगन का नाम आरोपी के तौर पर नहीं है. अदालत ने अभी तक

आरोपपत्र पर संज्ञान नहीं लिया है. पुलिस की ओर से दायर आरोपपत्र के मुताबिक, ह्यएकत्रित राशि आखिर में केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी (ए-1) को सौंप दी गई. इसके बाद राजशेखर रेड्डी ने यह राशि विजय साई रेड्डी (ए-5), मिथुन रेड्डी (ए-4) और बालाजी (ए-33) को सौंप दी, जिन्होंने इसे पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हस्तांतरित कर दिया. औसतन हर महीने 50-60 करोड़ रुपये की वसूली होती थी.

फर्जी शराब बनाने वाली भट्टियां

आरोपपत्र में खुलासा किया गया है कि 3,500 करोड़ रुपये के पूरे शराब घोटाले के मास्टरमाइंड और सह-षड्यंत्रकारी राजशेखर रेड्डी ने आबकारी नीति में हेर-फेर को प्रभावित करने के अलावा स्वचालित ओएफएस (आपूर्ति के लिए आदेश) को मैनुअल प्रक्रिया से बदलने में अहम भूमिका निभाने के अलावा एपीएसबीसीएल (आंध्र प्रदेश राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड) में अपने वफादार कर्मचारियों को नियुक्त करवाया. आरोपपत्र में कहा गया है कि उन्होंने कथित तौर पर फर्जी शराब बनाने वाली भट्टियां बनाई और एक अन्य आरोपी बालाजी गोविंदप्पा के माध्यम से जगन को रिश्वत दी.

संक्षेप

पिकअप और बाइक की टक्कर

दो लोगों की मौत, पिकअप चालक मौके से फरार

सुलतानपुर, कादीपुर के अखंड नगर मार्ग पर लगभग साढ़े नौ बजे एक सड़क हादसा हुआ। मलिकपुर नोनरा गैस एजेंसी के पास पिकअप ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। मृतक अखण्डनगर थाना क्षेत्र के उड़री गांव के रहने वाले थे। शेर बहादुर सिंह (35) और विजय पांडे (50) मुड़िलाइ बाजार जा रहे थे। टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर ले जाया गया। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। कोतवाली कादीपुर प्रभारी श्याम सुंदर निरीक्षक मौके पर पहुंचे। जेसीबी की मदद से पिकअप को निकालकर पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

दो गैंग के बीच मारपीट

मोतिगरपुर में वर्चस्व की लड़ाई, मामला संज्ञान में आने के बाद 11 लोगों पर केस दर्ज

सुलतानपुर, मोतिगरपुर थाना क्षेत्र में दो गैंग के बीच वर्चस्व की लड़ाई में फायरिंग की घटना सामने आई है। दियरा बाजार के पास शुक्रवार देर रात हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जयसिंहपुर के धरसौली निवासी आदित्य सिंह उर्फ आदी और गोसाईंगंज के जासापारा निवासी शक्ति सिंह उर्फ शाका के गैंग के बीच पुरानी रंजिश चल रही है। दोनों गैंग के सदस्य लाठी-डंडे, रॉड और धारदार हथियारों से लैस थे। कुछ लोगों ने फायरिंग भी की, लेकिन किसी को गोली नहीं लगी। फायरिंग की आवाज से डरे ग्रामीण अपने घरों में छिप गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसपी कुँवर अनुपम सिंह के निर्देश पर विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। वायरल वीडियो और गवाहों के बयान के आधार पर 11 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों में आदित्य सिंह, शक्ति सिंह, शुभम पांडेय, आदित्य मिश्रा, रजत सिंह और अंकित मिश्रा समेत कुल 11 लोग शामिल हैं।

दहेज के लिए पत्नी को घर से निकाला

सुल्तानपुर में पति समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर, पति पर अवैध संबंध का आरोप

सुलतानपुर, एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पीड़िता आरती ने महिला थाना सुलतानपुर में शिकायत दर्ज कराई है। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के पलिया गांव निवासी दिलीप कुमार से हुई थी। शादी में लड़की पक्ष ने बाइक, एक लाख रुपए नकद और अन्य सामान दहेज में दिया था। शादी के बाद से ही पति दिलीप कुमार, ससुर राम मनोहर, सास अनारा देवी, देवर प्रदीप कुमार, ननद विद्या देवी और जेठानी निर्मला देवी दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगे।

कांवड़ यात्रा पर हमला करने वाले 7 जेल गए

छापेमारी जारी, गांव में पुलिस-पीएसी तैनात, घर से भागे युवक, हिंदू संगठनों में आक्रोश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों और नमाजियों के बीच टकराव के बाद से तनाव के हालात हैं। मऊआइमा के सरांय ख्वाजा गांव में कांवड़ यात्रा के दौरान हुए बवाल के मामले में पुलिस की तीन टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। ऐसे में पुलिस टीमों ने कांवड़ यात्रा पर हमला करने के मामले में आरोपी बेलाल उर्फ बब्बू, तुफैल अहमद, मोहम्मद तस्लीम, मोहम्मद आरिफ, शाहबे आलम, गुड्डू उर्फ अहमद अली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ऐहतियात के तौर पर गांव में पुलिस टीम के साथ ही पीएसी तैनात कर दी गई। तनाव के हालात को देखते हुए डीसीपी गंगा नगर कुलदीप गुणावत खुद गश्त कर पूरे मामले की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। हालांकि पुलिस की छापेमारी की वजह से सरांय ख्वाजा गांव के रहने वाले ज्यादातर मुस्लिम युवक गांव छोड़कर भागे हुए हैं। हालांकि पुलिस ने दोनों समुदाय के बुजुर्गों के साथ बैठक कर हालात सामान्य कराने की कोशिश की। हिंदू संगठन इस मामले को लेकर आक्रोशित हैं। प्रयागराज में कांवड़िए और नमाजी भिड़ गए। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि नमाजियों ने लाठी-डंडे और तलवार से कांवड़ियों पर हमला कर दिया। पथराव भी किया। इससे कई कांवड़िए घायल हो गए। विवाद डीजे बजाने को लेकर हुआ था। मुस्लिम पक्ष ने डीजे की आवाज कम करने को कहा था। सूचना पाकर दो थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस के सामने भी नमाजी और कांवड़ियों में धक्कामुक्की हुई। पुलिस ने किसी तरह हालात संभाला। मामला सरायं ख्वाजा मऊआइमा के पास का है। पीड़ित पक्ष ने 15 नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कड़ी सुरक्षा के बीच कांवड़ियों को मस्जिद के पास से निकाला गया। कांवड़ यात्रा में शामिल महेंद्र कुमार ने मऊआइमा थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है। महेंद्र सराय स्नाला के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया, दोपहर करीब 1:30 बजे वह और अन्य श्रद्धालु कांवड़ यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने के उद्देश्य से डीजे के साथ नाचते-गाते हुए निकल रहे थे। जैसे ही यात्रा गांव के भोला जायसवाल के घर के पास पहुंची, तभी लगभग 200 मीटर दूर स्थित मस्जिद की दिशा से एक भीड़ आई। जिसमें तौहीद, यामीन, तस्लीम, राजू, मोहम्मद सहिल, अबरार, सहलाद, तुफैल अहमद, कल्लू, सुदैन अहमद, जीशान, गरजूर साईं, मोसमात एस.टी.ओ रामसार सहित करीब 50 अज्ञात लोग शामिल थे।

ब्लाक प्रमुख के रिश्तेदार को गोली मारी

बाइक से आए 6 बदमाश, बीच सड़क गिराकर पीटा; की ताबड़तोड़ फायरिंग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, मऊआइमा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े हुए हमले से इलाके में दहशत फैल गई। ब्लॉक प्रमुख से जुड़े बालू कारोबारी के रिश्तेदार मो. जैद पर बाइक सवार छह बदमाशों ने हमला कर दिया। यह वारदात तिलई बाजार स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के पास हुई, जहाँ जैद को पहले रोका गया, फिर मारपीट कर उस पर फायरिंग कर दी गई। गोली के छर्रे लगने से जैद घायल हो गया, जिसे राहगीरों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमलावर वारदात के बाद हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि यह विवाद एक युवती से बातचीत को लेकर था। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। गंगापार के मऊआइमा थाना क्षेत्र के दुबाही गांव के रहने वाले मो. समून का 22 साल का बेटा मो. जैद बाइक से तिलई बाजार पहुंचा था। वह बालू का सैंपल लेकर दिखाने पहुंचा था। बैंक आफ बड़ौदा के पास 2 बाइक से पहुंचे 6 युवकों ने उसे रोका और जमकर पिटाई करने के बाद गोली मार दी। जैद के पिता मो. समूद ने मऊआइमा थाने में देल्हूपुर प्रतापगढ़ के रहने वाले सचिन को नामजद करते हुए 5 अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। इम्तियाज के पिता मो. समी मऊआइमा के कई बार ब्लाक प्रमुख रहे हैं। 2019 में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उनकी हत्या कर दी गई थी।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

- धान की रोपाई के दौरान फायरिंग करने का आरोप, 3 लोग घायल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गयी। रविवार की सुबह धान की रोपाई के दौरान दो पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। जिससे मारपीट में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के शिवली गांव की है। शारदा प्रसाद तिवारी ने थाने में दी गई शिकायत में बताया कि वह अपने परिवार के साथ खेत में धान की रोपाई करा रहे थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते रविंद्र सिंह, नागेंद्र बहादुर, राहुल सिंह और रामकिशोर सिंह लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से लैस होकर वहां पहुंचे। विपक्षियों ने शारदा प्रसाद तिवारी पक्ष पर हमला कर दिया। इस दौरान राहुल सिंह ने फायरिंग भी की, लेकिन गोली किसी को नहीं लगी। हमले में तिवारी पक्ष के आलोक, राकेश तिवारी और शीतला प्रसाद तिवारी को चोटें आईं। दूसरे पक्ष के भी कुछ लोग घायल हुए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाजार शुकुल थाने के एसओ अभिनेष कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। तिवारी पक्ष ने न्याय की मांग को लेकर थाने के बाहर प्रदर्शन भी किया।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी

सुल्तानपुर में हत्या की योजना बना रहे थे, एक दिन पूर्व हुई थी मारपीट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, क्राइम ब्रांच और गोसाईगंज पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। रविवार सुबह बलरामऊ गांव के पास गोसाईगंज थाने की पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से घेराबंदी की। सैफुल्लागंज से आ रही एक कार को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन कार सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश शक्ति सिंह और देव दत्त सिंह उर्फ बाबा के पैरों में गोली लग गई। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि घायल बदमाशों को सीएचसी जयसिंहपुर से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर रेफर किया गया है। दोनों के खिलाफ 12 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। मौके से पुलिस ने दो अवैध हथियार, चार कारतूस और एक कार बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, दोनों किसी की हत्या की योजना बनाकर जा रहे थे। उधर, मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के दियरा बाजार में दो आपराधिक गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। वायरल वीडियो में दोनों पक्षों को लाठी-डंडों और हथियारों से लैस देखा गया। कुछ लोगों ने फायरिंग भी की, हालांकि कोई घायल नहीं हुआ। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी के निर्देश पर विशेष टीम ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आदित्य सिंह, शक्ति सिंह सहित कुल 11 आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

स्मैक तस्करों पर कार्रवाई

- मुसाफिरखाना पुलिस ने दो युवकों को 45 ग्राम स्मैक के साथ दबोचा, दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, पुलिस ने नशा मुक्त अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। मुसाफिरखाना थाना पुलिस ने 20 जुलाई को दो अभियुक्तों को 45 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान में मुसाफिरखाना पुलिस को यह सफलता मिली। पकड़े गए आरोपियों में मोहम्मद कैफ और मोहम्मद नशीर शामिल हैं। दोनों की उम्र 25 वर्ष है और ग्राम तकिया मजरे जमुवारी के रहने वाले हैं। तलाशी के दौरान मोहम्मद कैफ से 20 ग्राम और मोहम्मद नशीर से 25 ग्राम स्मैक बरामद हुई। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मोहम्मद कैफ पर पहले से आर्म्स एक्ट के दो मामले दर्ज हैं। वहीं मोहम्मद नशीर पर एनडीपीएस एक्ट का एक मामला पहले से दर्ज है। गिरफ्तारी में थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह समेत पांच पुलिसकर्मियों की टीम शामिल रही।

धार्मिक पहचान छिपाकर व्यापार का विरोध

हिंदू नामों से दुकान चला रहे मुस्लिम व्यापारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, एक विवादास्पद मामला सामने आया है। हिंदू समाज के लोगों ने आरोप लगाया है कि कुछ मुस्लिम व्यापारी हिंदू नामों का इस्तेमाल कर दुकानें चला रहे हैं।

इस मामले में कथावाचक पवन पांडेय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। विशेष रूप से सावन के पवित्र महीने में यह मामला सामने आया है, जब कांवड़िया शिव मंदिरों में जल चढ़ाने जा रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने गौरा गांव स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर के पास संचालित हो रही अंडे की दुकान को भी बंद करवाने की मांग की है। प्रदेश सरकार के निर्देशों के बावजूद कुछ व्यापारी अपनी धार्मिक पहचान छिपाकर व्यवसाय कर रहे हैं। हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस से ऐसी सभी दुकानों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय प्रशासन सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए स्थिति पर नजर रख रहा है।

स्टेशन से 3 साल की बच्ची चोरी

दिल्ली जाने के लिए बेटी को लेकर स्टेशन आया था पिता, फिर प्लेटफार्म पर ही सो गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, रेलवे स्टेशन पर 3 साल की एक मासूम बच्ची प्लेटफार्म से चोरी हो गई। पिता मासूम बच्ची के साथ दिल्ली जाने के लिए स्टेशन आया था और प्लेटफार्म नंबर 5 पर बच्ची के साथ सो गया था। जब उसकी नींद खुली को बच्ची मौके पर नहीं थी। पिता ने जब बच्ची को आसपास देखा तो वह नहीं मिली। जिसके बाद उसने तत्काल आरपीएफ और जीआरपी को सूचना दी। बच्ची के गायब होने की सूचना मिलने पर स्टेशन पर हड़कंप मच गया और पुलिस टीमें तत्काल बच्ची की खोज में जुट गई। लेकिन रविवार दोपहर तक बच्ची की कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। वहीं टीमें लगातार बच्ची की खोजबीन में जुटी हैं। पुलिस के अनुसार अलीगढ़ के पला रोड निवासी व्यक्ति मेहनत मजदूरी करता है। वह शनिवार रात को अपनी बेटी के साथ दिल्ली जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचा था। वह प्लेटफार्म नंबर 5 पर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। उस समय उसकी बेटी उसके साथ में ही थी। ट्रेन का इंतजार करते हुए व्यक्ति प्लेटफार्म पर ही सो गया जिसके बाद बच्ची टहलते हुए अपने पिता से दूर चली गई। इसके बाद बच्ची गायब हो गई। बताया जा रहा है कि व्यक्ति ने शराब पी रखी थी, जिसके कारण उसे नींद लग गई थी। जब उसे अपनी बच्ची के गायब होने की जानकारी हुई, तो वह रोते बिलखते हुए थाने पहुंचा और सारी जानकारी पुलिस को दी। पिता से बच्ची के गायब होने की जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल एक्टिव हुई और रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी खंगालने शुरू किए। जिसमें बच्ची प्लेटफार्म पर पहले अकेले घूमती हुई नजर आ रही है। जिसके बाद उसे एक दंपत्ति अपने साथ ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। दंपत्ति तीन साल की मासूम बच्ची को मीनाक्षी पुल होते हुए गांधीपार्क बस स्टैंड की ओर लेकर गए हैं। जिसके बाद आशंका यह जताई जा रही है कि उन्होंने शहर से बाहर जाने के लिए बस पकड़ी होगी। पुलिस अब लगातार मामले की जांच कर रही है जिससे बच्ची को जल्द से जल्द बरामद किया जा सके। दंपत्ति बच्ची के साथ बस स्टैंड गए थे जिसके बाद वह गायब हो गए।

बांके बिहारी कॉरिडोर का बरसाना-नंदगांव में विरोध

वृंदावन की बहुओं ने लगाई राधारानी से गुहार, बोले - लाडले की विरासत को नष्ट नहीं होने दिया जाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बांके बिहारी कॉरिडोर और न्यास बनाने के लिए लाए गए अध्यादेश के चल रहे विरोध के 52 वें दिन महिलाएं बरसाना और नंदगांव पहुंचीं। जहां उन्होंने बरसाना में राधारानी और नंदगांव में नंदबाबा के परिवार सहित दर्शन करते हुए कॉरिडोर और न्यास बनाने के लिए लाए गए अध्यादेश का विरोध किया। उनके इस विरोध को वहां के गोस्वामियों ने भी समर्थन दिया। बांके बिहारी कॉरिडोर का विरोध कर रही महिलाएं सबसे

पहले बरसाना स्थित श्री जी के महल पहुंचीं। जहां उन्होंने राधा रानी के दर्शन किए और उनसे विरासत को बचाने की गुहार लगाई। महिलाओं ने राधारानी से कहा कि सरकार उन कुंज गलियों को नष्ट करना चाहती हैं जिसमें आप और कान्हा खेलते थे। राधारानी मंदिर पहुंचीं महिलाओं का श्री जी मंदिर के अधिकांश गोस्वामियों ने समर्थन किया और उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। इस दौरान सभी महिलाओं को राधारानी की प्रसादी चुनरी दी गई इसके साथ ही मंदिर परिसर में ही उनको प्रसाद ग्रहण कराया गया। यहां महिलाएं करीब 2 घंटे तक रहीं। श्री बाँके बिहारी जी मंदिर कॉरिडोर और न्यास का विरोध बरसाना और नंदगांव में भी पहुंच गया। बरसाना और नंदगांव के गोस्वामी, पंडा समाज ने सरकार के इस कदम की घोर निंदा की।

एक दिन में 74 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

एसपी के निर्देश पर कार्रवाई, कोर्ट में पेश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर जिले भर की बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीमों ने वांछित और वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ एसपी के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान 'समग्र' के तहत यह कार्रवाई की गई। जनपद के सभी थानों की पुलिस टीमों ने कुल 74 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने इस अभियान को आगे भी जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उनका कहना है कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन का लक्ष्य जनपदवासियों को अपराधमुक्त वातावरण प्रदान करना है। यह कार्रवाई कोतवाली लंभुआ, कोतवाली जयसिंहपुर, गोसाईंगंज, अखंडनगर, करौंदीकला, मोतिगरपुर, कुड़वार, शिवगढ़ आदि थाना क्षेत्रो में की गई है।

कचरा प्रबंधन की लापरवाही

सड़क किनारे कूड़े के ढेर से ग्रामीण परेशान, प्रशासन मौन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, नगर पंचायत द्वारा कचरा प्रबंधन में की जा रही लापरवाही से स्थानीय निवासी परेशान हैं। जंगल रामनगर के मुराई का पुरवा गांव के पास सड़क किनारे नगर पंचायत कूड़ा डाल रही है।

स्थानीय निवासी अरुण कुमार मौर्य ने बताया कि यह समस्या पिछले दो साल से चल रही है। एसडीएम को कई बार शिकायत की गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नगर पंचायत के पास

कूड़े के निष्पादन का कोई निर्धारित स्थल नहीं है।

पहले कूड़ा खेरौना गांव के पास डाला जाता था। वहां के ग्रामीणों के विरोध के बाद स्थल बदल दिया गया। अब मुराई का पुरवा के पास सड़क किनारे कूड़ा डाला जा रहा है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। साथ ही संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। एसडीएम आशीष कुमार सिंह से संपर्क का प्रयास किया गया। लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। स्थानीय प्रशासन ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। चेयरमैन अंजू कसौंधन के अनुसार, ईओ का स्थानांतरण हो गया है। नए ईओ की तैनाती का इंतजार है। डीएम को नया प्रस्ताव भेजकर जमीन आवंटन कराया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० - A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुंबई न्यायालय ही होगा। 8097049935, 9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय - 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुंबई 400001

संरक्षक - डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता - आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक - माता प्रसाद शर्मा, फिल्म - संपादक - जगन्नाथ तिवारी